दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

ये दिल आशिकाना सिनेमाघरों ...8

बलरामपुर
मंगलवार, 03 फरवरी 2026
वर्षः 05 अंक : 122 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

लखनऊ में सीएम योगी की प्रेस कॉन्फ्रेंस, बोले– यह कर्तव्य भवन से आया पहला बजट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार (2 फरवरी) को लखनऊ में केंद्रीय बजट 2026–27 पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस काल्पनिक बजट के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। केंद्रीय वित्त मंत्री जी को मैं धन्यवाद देता हूं। पिछले 11 सालों में हमने जो यात्रा तय की है उसकी बदौलत जो नीतियां तय हुई उसी का परिणाम है कि 25 करोड़ आबादी गरीबी रेखा से उभरकर भारत की प्रगति में योगदान दे रहे हैं... ये पहला बजट है जो कर्तव्य भवन से बनकर सामने आया है। हर

भारतीयों को अपने कर्तव्यों का एहसास कराने का भी बजट आग्रह कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एमएसएमई, स्टार्टअप और स्वदेशी उत्पादन को समर्थन देकर आत्मनिर्भर भारत की नींव को और सुदृढ़ किया गया है। योगी ने भरोसा जताते हुए कहा, "पूर्ण विश्वास है कि सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और सुशासन के माध्यम से यह बजट वर्तमान के साथ भविष्य के भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को विनिर्माण को बढ़ावा देने के उपायों की घोषणा की, वैश्विक डेटा केंद्रों के लिए दीर्घकालिक कर प्रोत्साहन की पेशकश की और कृषि और पर्यटन के लिए समर्थन की घोषणा की। उन्होंने 2026–27 के लिए 53.5 लाख करोड़ रुपये का केंद्रीय बजट पेश किया, जिसे बढ़ते वैश्विक जोखिमों के बीच विकास को बनाए रखने के लिए एक दीर्घकालिक खाका के रूप में देखा जा रहा है।

राहुल गांधी ने किताब में ऐसा क्या दिखाया, खड़े हो गए राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बजट सत्र के दौरान भाषण शुरू होने के कुछ ही क्षण बाद गरमागरम बहस छिड़ गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के संदर्भ पर गांधी की आपत्ति जताने के बाद स्थिति और बिगड़ गई। सिंह ने तर्क दिया कि जो सामग्री औपचारिक रूप से सार्वजनिक नहीं की गई है, उसका संसदीय कार्यवाही के दौरान हवाला नहीं दिया जा सकता। जब गांधी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने के लिए

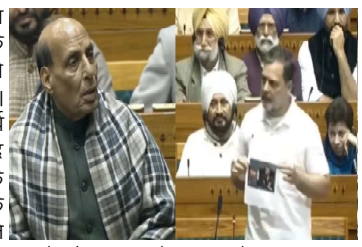

उठे और पुस्तक से उद्धरण देना शुरू किया, तो सिंह ने उनसे स्पष्ट करने को कहा कि क्या पुस्तक प्रकाशित हुई है या नहीं। कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि दस्तावेज प्रमाणित है और वे उससे उद्धरण दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि वे इस विशेष मुद्दे पर बोलना नहीं चाहते थे, लेकिन भाजपा के तेजस्वी सूर्या द्वारा कांग्रेस पार्टी की देशभक्ति पर सवाल उठाने के बाद उन्होंने ऐसा करने का फैसला किया। हालांकि, सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई है।

बढ़ते तनाव के बीच स्पीकर का हस्तक्षेपः स्पीकर ओम बिरला ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही से संबंधित न होने वाले किसी भी मामले पर किसी पुस्तक या समाचार पत्र की क्लिपिंग का हवाला नहीं दिया जा सकता।

गृह मंत्री अमित शाह का हस्तक्षेप

इसी बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी आपत्ति का समर्थन किया और जोर देकर कहा कि गांधी को अपने बयान केवल आधिकारिक रूप से प्रकाशित स्रोतों तक ही सीमित रखने चाहिए। विश्वसनीयता की आवश्यकता पर जोर देते हुए शाह ने कहा, 'पत्रिकाएं कुछ भी प्रकाशित कर सकती हैं,' और सदन से स्थापित संसदीय मानकों को बनाए रखने का आग्रह किया।

एक फोन कॉल और झुक गया अमेरिका...

ट्रंप ने घटाया भारत पर टैरिफ, पीएम मोदी के हुए मुरीद

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत पर लगा रेसिप्रोकल टैरिफ घटाने की घोषणा की है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर इसकी जानकारी दी। अब अमेरिका में निर्यात किए जाने वाले सामानों पर केवल 18 फीसदी टैरिफ लगेगा। ट्रंप ने कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स कम रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा, इसे 25: से घटाकर 18: कर देगा। इसके पहले भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने जानकारी दी थी कि प्रधानमंत्री मोदी और डोनल्ड ट्रंप के बीच बातचीत हुई है। हालांकि तब सर्जियो गोर ने इस संबंध में किसी भी तरह की अतिरिक्त जानकारी नहीं दी थी। लेकिन इस पोस्ट की भाषा बता रही थी कि सर्जियो और अमेरिका किसी बात को लेकर बेहद उत्साहित हैं। अब ट्रंप के पोस्ट से सब कुछ स्पष्ट हो गया है।

ट्रंप ने खुद दी जानकारी

ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'आज सुबह भारत के प्रधानमंत्री मोदी से बात करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। वह मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक हैं और अपने देश के एक शक्तिशाली और सम्मानित नेता हैं। हमने कई मुद्दों पर बात की, जिसमें ट्रेड, और रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म करना शामिल है। वह रूसी तेल खरीदना बंद करने और यूनाइटेड स्टेट्स और वेनेजुएला से बहुत ज्यादा खरीदने पर सहमत हुए।'

पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट पर संग्राम

चुनाव आयोग से भिड़ीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री बनर्जी कई बार आरोप लगा चुकी हैं कि यह प्रक्रिया उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना जल्दबाजी में की जा रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और एसआईआर प्रक्रिया से कथित तौर पर प्रभावित लोगों के 13 परिवार के सदस्य भी थे। प्रतिनिधिमंडल में पांच ऐसे व्यक्ति शामिल थे जिनके नाम कथित

कथित तौर पर दबाव में मृत्यु हो गई थी। टीएमसी ने मामले में तत्काल हस्तक्षेप और निष्पक्ष जांच की मांग की है। मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया के विरोध में सभी लोग काले कपड़े पहने हुए थे। बैठक के बाद, टीएमसी प्रमुख ने मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार को झूठा और अहंकारी बताया। एसआईआर को असंवैधानिक बताते हुए उन्होंने कहा कि असम में मतदाता सूची संशोधन नहीं हो रहा है क्योंकि यह भाजपा शासित राज्य है। ममता ने सवाल किया कि क्या तौर पर मृत घोषित किए जाने के बाद मतदाता सूची से हटा दिए गए थे, एसआईआर नोटिस प्राप्त करने के बाद श्मृतश हुए लोगों के पांच परिवार के सदस्य और बूथ स्तरीय अधिकारियों के तीन परिवार शामिल थे जिनकी चुनाव आयोग चुनाव से पहले ही सरकार चुन लेगा... हम देख रहे हैं। आपके पास भाजपा की शक्ति है। हमारे पास जनता की शक्ति है। इसलिए हमने बैठक का बहिष्कार किया। उन्होंने हमारा अपमान किया, हमें बेइज्जत किया। मैं कह रहा हूँ कि इस तरह का चुनाव आयोग बहुत अहंकारी है। उन्होंने एक खास रवैये से बात की। ममता ने दावा किया कि जानबूझकर उन्होंने हमारे साथ इतना बुरा बर्ताव किया। उन्होंने बुरा बर्ताव किया और हमारे साथ बुरा व्यवहार किया। मैंने कहा, मुझे खेद है कि हम न्याय दिलाने के लिए आपके साथ आए। हमें न्याय नहीं मिला, बल्कि आप अन्याय कर रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं।

अकाली दल को बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट से बिक्रम मजीठिया को मिली जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को आय से अधिक संपत्ति के मामले में जमानत दे दी। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि वे पिछले सात महीनों से हिरासत में हैं। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए मजीठिया की याचिका पर सुनवाई की, जिसमें हाई कोर्ट ने पहले उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने मामले में मजीठिया की हिरासत की अवधि को ध्यान में रखा। पंजाब के पूर्व मंत्री को पिछले

साल 25 जून को पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने उनकी ज्ञात आय के स्रोतों से अधिक लगभग 540 करोड़ रुपये की संपत्ति जमा करने के आरोपों के संबंध में गिरफ्तार किया था। पिछले साल 4 दिसंबर को दिए गए अपने आदेश में उच्च न्यायालय ने मजीठिया की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि उनके द्वारा चल रही जांच को प्रभावित करने की संभावना है। साथ ही, न्यायालय ने सतर्कता ब्यूरो को तीन महीने के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश दिया था और कहा था कि मजीठिया उस अवधि के बाद जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। मजीठिया के खिलाफ मामला 2021 के एक मादक पदार्थों से संबंधित मामले से जुड़ी एक व्यापक जांच का हिस्सा है, जिसकी जांच पंजाब पुलिस की एक विशेष जांच टीम कर रही है।

महाराष्ट्र की सियासत में नया अध्याय

उपमुख्यमंत्री के बाद अब सुनेत्रा पवार बनेंगी एनसीपी की बॉस!

मुंबई। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार सोमवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाल सकती हैं। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्ति की औपचारिक प्रक्रिया के अनुसार, आगामी दिनों में अंतिम निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। इस प्रक्रिया पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आगामी बैठक में चर्चा की जाएगी। यह घटनाक्रम एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री रहे अजीत पवार (66) के निधन के कुछ दिनों बाद सामने आया है। अजीत पवार का 28 जनवरी को उनके गृह नगर बारामती में एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया था, जिसके बाद पार्टी के भावी नेतृत्व और राजनीतिक दिशा को लेकर में आम सहमति बन रही है।

एकजुटता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण पेश करते हुए, एनसीपी के 30 से अधिक प्रमुख पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल और महाराष्ट्र एनसीपी अध्यक्ष सुनील तटकरे को एक संयुक्त पत्र लिखा है। पत्र में सर्वसम्मति से मांग की गई है कि सुनेत्रा पवार को पार्टी का सर्वोच्च संगठनात्मक पद सौंपा जाए। यह कदम एनसीपी के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर आया है, क्योंकि हाल के उथल–पुथल के बाद वह अपनी संगठनात्मक संरचना को मजबूत करने और राज्यों में अपनी राजनीतिक उपस्थिति को सुदृढ़ करने का प्रयास कर रही है।

अटकलें तेज हो गई थीं।

एनसीपी नेता सुनेत्रा पवार को पार्टी अध्यक्ष बनाना चाहते हैं

अजित पवार के अचानक निधन के बाद, एनसीपी के वरिष्ठ नेता सुनेत्रा पवार के समर्थन में एकजुट हो गए हैं और पार्टी नेतृत्व से उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त करने का आग्रह कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, संगठन के भीतर उनकी पदोन्नति के पक्ष

पेरेंट्स का इंतजार बढ़ा! दिल्ली में प्राइवेट स्कूल की फीस पर बड़ा अपडेट, एससी को सरकार ने क्या बताया?

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि निजी स्कूलों की फीस को विनियमित करने वाला कानून चालू वर्ष में नहीं बल्कि शैक्षणिक सत्र 2026–27 से लागू होगा। यह घटना तब सामने आई है जब शीर्ष अदालत ने इस सप्ताह की शुरुआत में मंगलवार को रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार को 2025–26 शैक्षणिक वर्ष के लिए निजी स्कूल शुल्क विनियमन कानून के कार्यान्वयन को स्थगित करने के संबंध में निर्णय लेने के लिए एक सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया था। 19 जनवरी को हुई पिछली सुनवाई में, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से निजी स्कूलों की फीस तय करने वाले कानून को अप्रैल 2026 तक लागू करने पर विचार करने को कहा था। कोर्ट ने कहा था कि मौजूदा शैक्षणिक सत्र में इस कानून को लागू करना व्यवहारिक होगा।

आपके नाना ने चीन को कितनी जमीन दी?

राहुल गांधी पर गिरिराज का तीखा हमला

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना करते हुए उनके आचरण को बचकाना व्यवहार बताया और राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान अनुशासनहीनता का आरोप लगाया। उन्होंने भारत की सशस्त्र सेनाओं को कमजोर करने के प्रयासों का खंडन करने के लिए 1962 के चीन विवाद को भी उठाया। गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी जिस तरह से अनुशासनहीनता का प्रदर्शन कर रहे हैं, सदन के अंदर अध्यक्ष के आदेशों का पालन करने से भी इनकार कर रहे हैं। आपके नाना ने 1962 में चीन को कितनी जमीन दी थी... लेकिन अभी आपको आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा करनी चाहिए। तभी विपक्ष के नेता की गरिमा बनी रहेगी। यह बचकाना व्यवहार है। सिंह ने कांग्रेस नेता पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को बदनाम करने और सशस्त्र बलों की वीरता को कमतर आंकने का भी आरोप लगाया।

अजीत पवार की मौत हादसा नहीं साजिश

संजय राउत ने Justice Loya केस से जोड़ा, सीबीआई जांच की मांग

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मौत पर सवाल उठाते हुए विमान दुर्घटना में साजिश की आशंका जताई। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दो विरोधी गुटों के बीच संभावित सुलह की अटकलें तेज हैं। राउत ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित एनसीपी विलय का समर्थन करने के बाद अजीत पवार पर दबाव डाला गया और दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सिंचाई घोटाले की फाइलों का इस्तेमाल उन्हें धमकाने के लिए किया। राउत के अनुसार, इस घटना के कुछ ही दिनों के भीतर अजीत पवार की अचानक मौत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि अजीत दादा की दुर्घटना पर सवाल जरूर उठेंगे... सवाल उठने ही चाहिए।

जिस तरह से अजीत पवार जैसे नेता... महाराष्ट्र के एक दिग्गज नेता की विमान दुर्घटना में मृत्यु हुई और जो तथ्य सामने आ रहे हैं – इसकी जांच होनी चाहिए... मुझे लगता है कि इसमें कुछ गड़बड़ है।' उन्होंने आगे कहा, 'पर्दे के पीछे कुछ जरूर हुआ है... उनकी रहस्यमय तरीके से 10 दिनों के भीतर मृत्यु हो गई। इससे हम क्या समझते हैं? यह हमें न्यायमूर्ति लोया की याद दिलाता है।

एनसीपी नेताओं ने भी संदेह जताया: इससे पहले, एनसीपी नेता अमोल मितकारी ने भी इसी तरह के संदेह व्यक्त किए थे, जिसमें उन्होंने अचानक पायलट परिवर्तन, विमान के मार्ग में बदलाव और दुर्घटनास्थल से बरामद शवों की स्थिति पर सवाल उठाए थे।

परिवार ने संयम बरतने की अपील की

राजनीतिक तूफान के बावजूद, एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने सभी से इस त्रासदी का राजनीतिकरण न करने की अपील की और जोर देकर कहा कि यह दुर्घटना एक हादसा थी। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने 28 जनवरी को बारामती में विमान के उतरने के प्रयास के दौरान अजीत पवार, उनके सुरक्षा अधिकारी, एक फ्लाइट अटेंडेंट और दो पायलटों की जान लेने वाली इस दुर्घटना की औपचारिक जांच शुरू कर दी है।

कायस्थ सेवा ट्रस्ट कार्यकारिणी का गठन, मुकेश श्रीवास्तव पुनः जिलाध्यक्ष बने, नवीन श्रीवास्तव को मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रौता चौराहा स्थित चित्रगुप्त चौक श्री चित्रगुप्त मंदिर सभागार में कायस्थ सेवा ट्रस्ट की नई जिला एवं मंडलीय कार्यकारिणी का गठन संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में संगठन की वर्तमान गतिविधियों, भावी योजनाओं एवं समाजहित से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके उपरांत संगठन के प्रति निष्ठा, सक्रियता एवं कार्यकुशलता को देखते हुए मुकेश श्रीवास्तव को एक बार पुनः जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं संगठन के सक्रिय सदस्य नवीन श्रीवास्तव को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी के गठन की घोषणा होते ही बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों में उत्साह और प्रसन्नता का माहौल देखने को मिला। सभी ने नव–नियुक्त पदाधिकारियों को फूल माला के साथ भव्य स्वागत करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सदस्यों ने आशा व्यक्त की कि अनुभवी नेतृत्व में कायस्थ सेवा ट्रस्ट सामाजिक, शैक्षिक एवं

सांस्कृतिक क्षेत्रों में और अधिक सशक्त भूमिका निभाएगा। जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी पुनः मिलने पर मुकेश श्रीवास्तव ने संगठन के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कहा कि कायस्थ सेवा ट्रस्ट का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग पहुँचाना है। वे सभी को साथ लेकर शिक्षा, सामाजिक सहयोग, जरूरतमंदों की सहायता एवं संगठन की मजबूती के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। उन्होंने युवाओं को संगठन से जोड़ने और समाज को एकजुट रखने पर विशेष बल दिया। वहीं मंडल अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर नवीन श्रीवास्तव ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से निर्वहन करेंगे। उन्होंने मंडल स्तर पर संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने तथा समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए ट्रस्ट के संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि नई कार्यकारिणी के गठन से संगठन को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। इससे कायस्थ समाज की एकता, आपसी सहयोग और सामाजिक पहचान को और अधिक मजबूती प्राप्त होगी। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। ट्रस्ट के संरक्षक सुरेन्द्र मोहन वर्मा, दिनेश श्रीवास्तव मास्टर साहब, अंकुर वर्मा, पंकज श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव, राजेश चित्रगुप्त, राजकुमार श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव , अजय श्रीवास्तव, रामकुमार श्रीवास्तव ने कहा कि नव–नियुक्त पदाधिकारियों से समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने और ट्रस्ट के उद्देश्यों को जन–जन तक पहुँचाने की अपेक्षा है। उन्होंने श्रीवास्तव सहित तमाम लोग मंडल स्तर पर नेतृत्व मजबूत होने से कायस्थ समाज के सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यों को नई गति मिलेगी। बैठक का संचालन प्रकाश मोहन श्रीवास्तव ने किया। बैठक में मुख्य रूप से दुर्गेश श्रीवास्तव, नितेश श्रीवास्तव, डब्बू श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, अरुण श्रीवास्तव, नितेश श्रीवास्तव, अविनाश श्रीवास्तव, रणदीप माथुर , सुजीत श्रीवास्तव, कृपाशंकर लाल श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव, डा. मनोज श्रीवास्तव, दीपू श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव, अवधेश श्रीवास्तव, रंजीत श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, प्रेमचंद श्रीवास्तव सहित तमाम लोग विश्वास जताया कि जिला एवं उपस्थित रहे।

विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाला है बजट- अरविन्द पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नगर पंचायत बनकटी के अध्यक्ष प्रतिनिधि ई. अरविन्द पाल ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह बजट समावेशी विकास, रोजगार सृजन और सामाजिक न्याय की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है। कर्तव्य भवन में प्रस्तुत यह पहला बजट देश के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाला है। पत्रकारों से बातचीत में ई. अरविन्द पाल ने कहा कि पूर्व सांसद एवं असम प्रभारी हरीश द्विवेदी और पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ सदर ब्लाक के सभागार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट का सीधा प्रसारण देखने के बाद उस पर मंथन किया गया। जो निष्कर्ष निकला उससे स्पष्ट है कि बजट ऐतिहासिक है। पत्रकारों

से बातचीत में ई. अरविन्द पाल ने कहा कि यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं को केंद्र में रखता है। यह बजट विकास के नए अवसर लेकर आया है। युवाओं के लिए स्टार्टअप, एमएसएमई, मैन्युफैक्चरिंग और पर्यटन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी, वहीं विदेश शिक्षा और यात्रा की लागत में कमी युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में बायोफार्मा के लिए 10,000 करोड़ रुपये के निवेश ऐतिहासिक है। इससे कैंसर, शुगर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाइयां सस्ती होंगी और जिला अस्पतालों के उन्नयन, ट्रॉमा सेंटर तथा मेडिकल टूरिज्म हब से स्वास्थ्य सेवाएं और रोजगार दोनों मजबूत होंगे। कहा कि 2026 का बजट समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास के साथ ही 2047 का रोड मैप तैयार करता है।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी: खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, क्रिकेट में ब्लू हाउस विजयी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में आयोजित चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन भी बैठे विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन ने वातावरण को जीवंत बना दिया। प्रत्येक प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच कड़ा और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। दिन ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। फाइनल मुकाबले में ब्लू हाउस के खिलाड़ियों ने बेहतरीन रणनीति, अनुशासन और मजबूत टीम वर्क का परिचय देते हुए विरोधी टीम को पराजित किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ब्लू हाउस को क्रिकेट प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विद्यालय के प्रबंध निदेशक विनय शुक्ल ने कहा कि खेल केवल जीत–हार का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त जरिया हैं। उन्होंने विजेता टीम को

खेल मैदान जोश, उत्साह और प्रतिस्पर्धा से सराबोर नजर आया। जूनियर वर्ग के छात्र–छात्राओं ने पूरे मनोयोग से प्रतिभाग करते हुए अपने खेल कौशल और टीम भावना का शानदार परिचय दिया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन कक्षा 5 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। सुबह से ही मैदान में खिलाड़ियों की सक्रियता और दर्शक दीर्घा में के प्रमुख आकर्षण के रूप में आयोजित कलेक्टिंग बॉल प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने अपनी फुर्ती, संतुलन और एकाग्रता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में बच्चों की तेजी और अनुशासन ने सभी को प्रभावित किया। वहीं, दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला क्रिकेट प्रतियोगिता रहा। चौके–छक्कों की गूंज और खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन बधाई देते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में बढ़–चढ़कर भाग लेने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या शशिप्रभा त्रिपाठी, शिक्षक रूद्र प्रताप सिंह, अमन मिश्रा तथा शिक्षिकाएं श्यामा गुप्ता, ममता गुप्ता, खुशबू श्रीवास्तव, निष्ठामणि सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन किया।

प्रयोगशाला प्राविधिक रामबहादुर के लिये विदाई सम्मान समारोह का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सदेंश

सिद्धार्थनगर। सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कठमोरवा ब्लाक खेसरहा प्रयोग शाला प्राविधिक पद से रामबहादुर सेवानिवृत हुये। सोमवार को नचीब पकड़ी में विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर राजेश कुमार मिश्र जिला मंत्री राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद सिद्धार्थ नगर, विजय वर्मा मंडल अध्यक्ष बस्ती मंडल बस्ती पेंशनर एसोसिएशन , राम रूप यादव कोषाध्यक्ष ,अवधेश यादव पूर्व जिलाध्यक्ष पेंशनर एसोसिएशन सिद्धार्थ नगर , दयानन्द मणि त्रिपाठी जिलाध्यक्ष प्रयोग शाला सहायक एसोसिएशन सिद्धार्थ नगर एवं राम रूप यादव , प्रभावती आनन्द रमेश वेदप्रकाश अनिल कुमार मिश्र , विजय कुमार दुबे ,विपिन अरुण पांडेय आदि की उपस्थिति सराहनीय रही।

रविदास जयन्ती के उपलक्ष्य में विश्व हिन्दू महासंघ ने किया समरसता भोज का आयोजन

हिन्दू समाज को एकजुट कर उन्हें और शक्तिशाली बनाने का संकल्प

दैनिक बुद्ध का सदेंश

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा सोमवार को जिला महामंत्री नागेन्द बहादुर सिंह सिंह के संयोजन में संत शिरोमणि गुरू रविदास जयन्ती के उपलक्ष्य में भव्य शोभा यात्रा, निकाली गई। गौतम इण्टर कालेज पिपरा गौतम में समरसता भोज के साथ ही वक्ताओं ने हिन्दू समाज की रक्षा, संकट में सहयोग और एकजुटता पर वक्ताओं ने विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर महासंघ द्वारा योगदान के लिये विशिष्ट जनों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि संत शिरोमणि गुरू रविदास ने समाज को जो संदेश दिया उस पर चलने की जरूरत है।मुख्य अतिथि विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने कहा कि महासंघ का उद्देश्य अलग–अलग धड़ों में बटे हिन्दू समाज को एकजुट कर उन्हें और शक्तिशाली बनाना है। प्रदेश महामंत्री राना दिग्विजय सिंह, पूर्व प्रदेश मंत्री हियुवा अरूण भारती, अभय सिंह, सुधीर सिंह, लल्लू पाण्डेय, हरिओम प्रकाश, अजय मिश्र,रेखा, शिवलाल प्रेमी, युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी के साथ ही अनेक वक्ताओं ने विस्तार से कार्यक्रम की उपादेयता पर प्रकाश डाला। महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुये कहा कि हिन्दू समाज की एकजुटता के लिये प्रायः अनेक रचनात्मक आयोजन किये जाते हैं। इसके साथ ही हिन्दू हितों की रक्षा के लिये अनवरत संघर्ष जारी है। कार्यक्रम में रंजीत यादव, रमेश गुप्ता, विनेन्द्र सिंह 'पप्पू', धर्मेन्द्र त्रिपाठी, राजेश तिवारी, मम्मू सिंह, मातृ शक्ति जिलाध्यक्ष पूनम सिंह, अनुसुईया मिश्रा, कंचन विश्वकर्मा, साधना, कुलदीप मिश्रा, अजय प्रताप सिंह, पैडा वाले बाबा गोविन्ददास, मनमोहन त्रिपाठी, नागेन्द्र बहादुर सिंह, विपिन प्रताप, सौरभ चतुर्वेदी, बाल.ष्ण सिंह, महेश हिन्दुस्तानी, विवेक श्रीवास्तव, अर्पण श्रीवास्तव, अमरजीत सिंह, उपेन्द्र सिंह, विजयशंकर शुक्ल, अनिल यादव, अरविन्द पाण्डेय, आशीष उर्फ कल्लू बाबा, सन्तोष सिंह, प्रशान्त गुप्ता, विजय भान सिंह, अजय श्रीवास्तव, नीरज सिंह के साथ ही विभिन्न संगठनों और विश्व हिन्दू महासंघ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

सफाई कर्मी के बेटे ने यूपी एसएसएस सी पास कर बना (लेखा परीक्षक)ऑडिटर

दैनिक बुद्ध का सदेंश

इटवा। तहसील अंतर्गत स्थित ग्राम पंचायत मिश्रौलिया खालसा टोला केवटहिया योगेंद्र निषाद पुत्र अर्जुन निषाद ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा आयोजित मुख्य परीक्षा वर्ष 2025 में सफलता प्राप्त कर पंचायती राज एवम् सहकारी समिति विभाग में लेखा परीक्षक (ऑडिटर) पद पर चयनित होकर न सिर्फ़ गांव बल्कि जनपद का नाम रोशन किया।गांव के ही प्राइमरी स्कूल से पांचवी कक्षा पास कर, जूनियर हाईस्कूल से हाई स्कूल तक रघुवर प्रसाद जायसवाल इंटर

कॉलेज नौगढ़ से हाई स्कूल उत्तीर्ण कर के इंटर तक पायनियर मांटेसरी इंटर कॉलेज विकास नगर लखनऊ तक पूरी करने के बाद ग्रेजुएशन यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ से करने के बाद पहली बार पंचायती राज एवम् सहकारी समितियां विभाग में वर्ष 2025 की परीक्षा में शामिल होकर 24 जनवरी 2026 को परिणाम आने के बाद खुशियों से झूम उठा परिवार।सफल अभ्यर्थी योगेंद्र निषाद इस सफलता के पीछे कड़ी मेहनत लगन के साथ माता पिता और गुरुजनों का स्नेह और आशीर्वाद बताया।योगेंद्र निषाद ने कहा कि अत्यंत पिछले क्षेत्र से जुड़ी तमाम कठिनायों का सामना करते हुए मेरे माता पिता ने मुझे खेती किसानी और पिता सफ़ाई कर्मी के पद पर होते हुए, मुझे उच्च शिक्षा दिलाए,हमने अपने माता पिता के गाढ़ी कमाई के पैसे का महत्व समझते हुए,एक मिशन बनाकर शिक्षा ग्रहण करते हुए पूरी निष्ठा लगन के साथ आगे बढ़ता रहा जिसका ये सार्थक परिणाम आया।क्षेत्र वासियों शिक्षक राकेश रोशन, सुनील कुमार जायसवाल,परवेज़ अहमद, राम कैलाश यादव,ग्राम प्रधान सुरेंद्र निषाद, इंद्रजीत यादव, अभय पांडेय, शिक्षक नेता अनिल तिवारी,विजय बहादुर अंबेडकर,अब्दुल रहमान,पुजारी प्रसाद, अखिलेश मौर्य, जावेद मुकीम, बीरेंद्र कुमार, .ष्णदेव यादव,गोपाल सिंह ने दी भूरी–भूरी प्रसंशा करते हुए दी ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं।

दिल्ली को 5 विकेट से हराकर फाइनल में पहुंची लखनऊ

फाइनल मुकाबला मंगलवार को गोरखपुर और लखनऊके बीच खेला जायेगा

दैनिक बुद्ध का सदेंश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित गौतम बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 4 में सोमवार का मैच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला दिल्ली व लखनऊ के बीच खेला गया, जिसमें लखनऊ के कप्तान यशवर्धन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 199 रन बनायें। वहीं दिल्ली की तरफ से प्रतीक रमन ने नॉट आउट 87, विकास राय ने 47, भास्कर भारद्वाज ने 28 और सक्षम राय ने 17 रन का योगदान दिया। लखनऊ की तरफ से तुषार ने दो आशुतोष, अमित, आदित्य ने एक–एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की टीम ने 19.02 बाल में 5 विकेट होकर लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। लखनऊ की तरफ से राजकुमार ने नवत 40, संदीप गुप्ता ने 32, आशुतोष चौधरी ने 32, समय को 39, निखिल राव 28, विनायक ने 22 रनों का योगदान दिया। दिल्ली की तरफ से भास्कर ने दो आनन्द, सक्षम, सचिन ने 01–01 विकेट लिया। वहीं बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 4 टूर्नामेंट का मैच के मैन ऑफ द मैच लखनऊ के आशुतोष चौधरी रहे। टूर्नामेंट मैच के मुख्य अतिथि शोहरतगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व ब्लाक प्रमुख श्याम जायसवाल रहे। इस अवसर पर इस अवसर पर सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, मनीष श्रीवास्तव, विवेक त्रिपाठी, विपिन त्रिपाठी, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, रंजीत चौधरी, बेचन प्रसाद, केशव यादव, राहुल चौधरी, चन्दन पाण्डेय, वकील खान, अशरफ अंसारी उर्फ बाबूजी सहित तमाम अन्य लोग मौजूद रहे। वहीं मंगलवार का मुकाबला गोरखपुर और लखनऊ के बीच खेला जायेगा।

श्रीश्याम मंदिर वार्षिक उत्सव को लेकर बैठक संपन्न, तीन दिवसीय श्रीश्याम मंदिर वार्षिकोत्स शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के ददुआ बाजार स्थित श्री श्याम मंदिर का वार्षिक उत्सव तीन दिवसीय कल 3 फरवरी से

शुरू होगा। इस कार्यक्रम को लेकर रविवार को देर शाम श्री श्याम मंदिर में पदाधिकारियों की एक बैठक अध्यक्ष सुरेश भावसिंहका के नेतृत्व में की गई। जिसमें तीन दिवसीय कार्यक्रमों पर विचार रखा गया। बैठक में श्री श्याम मंदिर महिला मंडल की अध्यक्ष मीना अग्रवाल ने बताया कि 3 फरवरी को श्री राणीसती दादी जी के नाम की मेंहदी का कार्यक्रम सुबह 11बजे से सांयकाल 5 बजे तक होगा। जिसमें सभी महिला पुरूष भक्त दादी जी के नाम की मेंहदी अपने – अपने हाथों में लगाएंगी।कमेटी के सदस्य उत्कर्ष सिंघल और अरिहंत जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि 4 फरवरी को निशान शोभायात्रा निकाली जाएगी जो पहली यात्रा रानी बाजार स्थित श्री राम जानकी मारवाड़ी धर्मशाला से निकलकर अग्रसेन चौराहा होते हुए बड़गांव पुलिस चौकी पर पहुंचेगी और दूसरी यात्रा चौक बाजार के राधाकृष्ण मंदिर से निकलकर ,पीपल चौराहे होते हुए नगर में भ्रमण करते हुए पुलिस चौकी पर पहुंचकर होकर दोनों यात्राएं श्री श्याम मंदिर में पहुंचकर बाबा खाटू श्याम को निशान अर्पित करेंगे। ट्रस्ट के प्रबन्धक गोविंद जालूका ने बताया कि 4 फरवरी बुधवार को सांयकाल 5 बजे से बाहर के आए हुए भजन गायको द्वारा श्री श्याम भजनामृत वर्षा होगी। और 5 फरवरी गुरुवार को सांयकाल 4 बजे से देर रात्रि तक प्रभु की इच्छा तक होगी। गायकों में कोलकाता से भजन गायक निवेश शर्मा(गोलू)खलीलाबाद से सुप्रसिद्ध भजन गायक सरदार महेंद्र सिंह रोमी,इंदौर से सावन नागदा,जयपुर से आयुष सोमानी और गोंडा से भजन गायक पंकज निगम होंगे।मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष अनिल मित्तल ने बताया कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।बैठक में श्याम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश भावसिंहका, गोविंद जालूका, अरिहंत जैन, उत्कर्ष सिंघल, राजेश बंसल, विशाल बंसल, अनिल मित्तल, विमलेश सिंघल ,अजय अग्रवाल, विजय काबरा, सुधीर तुलस्यान, शिखर अग्रवाल, देवेश जालान, पुनीत बंसल, पंकज मोदी, घनश्याम ताजपुरिया, आशीष भावसिंहका, विमलेश अग्रवाल, शलभ गर्ग, राम मनोहर अग्रवाल, संजय शर्मा, दौलत राम शर्मा श्री श्याम मंदिर महिला मंडल की अध्यक्ष मीना अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, पूनम मित्तल,नीतू गर्ग, प्रीति अग्रवाल, प्रेमलता सिंघल,उमा ताजपुरिया, संतोष अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहीं।

शब–ए–बारात को लेकर पुलिस ने किया पैदल गस्त

दैनिक बुद्ध का सदेंश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। आगामी शब–ए–बारात त्यौहार को लेकर सोमवार को शोहरतगढ़ कस्बा में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी ने स्थानीय पुलिस बल के साथ जुलूस मार्ग पर पैदल गस्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह को आवश्य निर्देश भी दिए। जानकारों की माने तो आगामी त्यौहार को लेकर शोहरतगढ़ पुलिस पूरी तरह से एलर्ट है और सोशल मीडिया पर भी नज़र बनाये हुए है।त्यौहार को लेकर जामा मस्जिद सदर अल्ताफ हुसैन ने बताया कि शब–ए–बारात को गुनाहों की माफी की रात कहा जाता है। मान्यता है कि इस रात अल्लाह अपने बंदों के गुनाह माफ कर देता है और उनकी दुआओं को सुनता है। विश्वास है कि इसी रात अल्लाह आगामी साल के लिए इंसानों की जिंदगी, मौत, रिज़्क और तकदीर से जुड़े फैसले दर्ज करता है। इसीलिए लोग नमाज, दुआ और इबादत करते हैं। शब–ए–बारात त्यौहार पर दो दिन का रोजा भी रखा जाता है जो सैंकड़ो रोजे के बराबर है।उन्होंने यह भी बताया कि त्यौहार को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

संजय पटेल ने संभाला नवागत एडीओ (पं0) का चार्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। सोमवार को शोहरतगढ़ ब्लॉक के नवागत एडीओ (पं०) के रूप में संजय पटेल ने पदभार ग्रहण किया है। जिसे लेकर प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ० पवन मिश्रा सहित प्रधान प्रतिनिधियों ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर उनका स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवागत एडीओ (पं०) संजय पटेल ने मिडिया वार्ता में कहा कि जो भी कार्य पंचायत विभाग अथवा जिला पंचायत द्वारा सौंपी जाएगी उसे समयबद्ध तरीके से करने की प्राथमिकता रहेगी तो वहीं प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ० पवन मिश्रा ने कहा कि सचिव कुंवर कन्नौजिया कई ग्राम पंचायत के सचिव होने के बाद एडीओ पंचायत का कार्य देख रहे थे। निश्चित रूप से

इस समय विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर काफी लोड है। गांव के ग्रामीणों को परिवार रजिस्टर, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र आदि के नकल देना है। ऐसे में इनके ब्लॉक पर ज्वाइन करने पर निश्चित रूप से विकास में गति आएगी। लोगों के परिवार रजिस्टर नकल, जन्म प्रमाण पत्र जारी करने आदि कार्यों में तेजी आएगी। विदित हो अब तक प्रभारी एडीओ पंचायत के रूप में सचिव कुंवर कन्नौजिया कार्य कर रहे थे। उनके पास एडीओ पंचायत की जिम्मेदारी के साथ–साथ ग्राम पंचायतों के विकास कार्य की जिम्मेदारी थी। ऐसे में एस.आई.आर. सहित पंचायत विभाग के अन्य कार्य को लेकर भी जिम्मेदारियां बढ़ी हुई थी। जिसको लेकर अब नवागत एडीओ (पं०) के रूप में संजय पटेल ने पदभार ग्रहण कर लिया है, जिससे लोगों कि ऑफिसियल परेशानी कम हो सकती है। इस दौरान सचिव रामस्वरूप गुप्ता, प्रधान सुनील सिंह, प्रधान पंकज चौबे, शिवलाल प्रजापति, अजय मिश्रा, प्रधान प्रतिनिधि शिवशंकर चौधरी, यार मोहम्मद, पिंटू पटेल, रोजगार सेवक संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष विजय दूबे, ब्लॉक कर्मी मनीष वर्मा, पिंकू उपाध्याय, सुखदेव आदि मौजूद रहे।

सिर्फ कागजों में संचालित हो रहे हैं,अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र व सामुदायिक शौचालय

सिसवा बुजुर्ग में लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए एकीकृ त ठोस प्रबंधन केंद्र

दैनिक बुद्ध का संदेश **पंकज चौबे**

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। लाखों रुपये के लागत से बनाए गए एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र निष्प्रयोजन होकर रह गए हैं अभी भी कई ग्राम पंचायत में का संचालन नहीं हो रहा है! स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत गावों को स्वच्छ रखने के लिए ग्राम पंचायतों में लाखों रुपये खर्च कर एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र बनाया गया, इन केंद्रों पर एक कर्मी व एक कूड़ा गाड़ी की तैनाती भी की गयी, लेकिन क्या जिस उद्देश्य से यह केंद्र लाखों रुपये खर्च कर और कर्मचारी को प्रतिमाह मानदेय देकर काग़ज़ों में खाना पूर्ति की जा रही है योजना सफल हो रही हैं कि नहीं, इसको देखने वाला कोई नहीं है। आलम यह है कि गाव के लोगों को इसके बारे में कुछ पता ही नहीं है, इस योजना के अंतर्गत तरल व ठोस कचरे को अलग अलग गाव के लोग रखे, कर्मचारी गाड़ी घर घर जाकर कूड़ा लेकर निस्तारण केंद्र तक पहुंचाएगा।

वहां उसका निस्तारण होगा।ताजा मामला विकास खंड बढ़नी अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिसवा बुजुर्ग का है जहां काग़ज़ों में कुड़ा प्रबंधन केंद्र के साथ कूड़ा गाड़ी के ड्राइवर(रामू ई रिक्शा चालक)का मानदेय 20 jun 2025 को 14518 रुपये 31 july 2025 को 15120 रुपये 25 sep 2025 को 15372 रुपये भी दिया गया है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है वहीं सामुदायिक शौचालय में मानदेय रखरखाव नल रिबोर के नाम पर 19676 +788+19350 रुपये का भुगतान भी किया गया लेकिन आज तक कोई कार्य नहीं हुआ।

एसआईआर नोटिस जमा करने को लेकर इटवा में अव्यवस्था, घंटों लाइन में लगे लोग, धक्का–मुक्की की नौबत

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) नोटिस जमा करने को लेकर इटवा तहसील क्षेत्र में भारी अव्यवस्था देखने को मिली। नोटिस जमा करने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे घंटों तक लोग लंबी लाइनों में खड़े रहने को मजबूर हुए। भीड़ अधिक होने के कारण कई बार धक्का–मुक्की की स्थिति भी बन गई। ग्रामीणों का कहना है कि सिस्टम फेलियर के चलते उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2003 की वोटर लिस्ट में नाम दर्ज होने के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों को एसआईआर नोटिस जारी कर दिया गया, जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। नोटिस जमा करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की मांग की जा रही है, जबकि समय बेहद कम दिया गया है। सबसे अहम दस्तावेज के रूप में परिवार रजिस्टर की नकल को अनिवार्य बताया गया है, लेकिन इटवा ब्लॉक कार्यालय में पहले से ही भारी भीड़ होने के कारण समय रहते यह दस्तावेज बन पाना संभव नहीं हो पा रहा। इसके चलते ग्रामीणों को ब्लॉक, तहसील और आंगनबाड़ी केंद्रों के लगातार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गलत मैपिंग के कारण भी लोगों को अनावश्यक नोटिस जारी हुए हैं। इटवा तहसील और इटवा आंगनबाड़ी केंद्र को ही नोटिस जमा करने का एकमात्र हेडक्वार्टर बना दिया गया है, जिससे पूरे क्षेत्र की भीड़ एक ही स्थान पर इकट्ठा हो रही है। इटवा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस फोर्स बुलानी पड़ी, ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन अव्यवस्था के कारण जनता की परेशानी कम नहीं हो सकी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय सीमा नहीं बढ़ाई गई और वैकल्पिक केंद्र नहीं खोले गए, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नोटिस जमा करने की समय–सीमा बढ़ाई जाए, अतिरिक्त काउंटर व केंद्र बनाए जाएं, और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया को सरल किया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

नशे की हालत में प्रधान को दिया गाली,फिर कराया मुकदमा दर्ज

बी.एल.ओ का नशे की हालत में वीडियो वायरल,काम पर हर वक्त नशे मे रहने का लगा आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ ब्लॉक के अलीदापुर ग्राम प्रधान पंकज चौबे और वहां तैनात बी.एल.ओ. विजय कुमार का एक–दूसरे के प्रति आरोप–प्रत्यारोप का मामला प्रकाश में आया है। आरोप के मुताबिक बी.एल.ओ. (शिक्षामित्र) विजय कुमार द्वारा आधार कार्ड सहित जरूरी दस्तावेज खुद ना वसूल कर उसी ग्राम के प्रधान पद के पूर्व एवं संभावित प्रत्याशी द्वारा लिया जा रहा था, जिसे लेकर ग्राम प्रधान ने उक्त की शिकायत जिलाधिकारी से करने की बात कही थी। आरोप यह भी है कि उस समय तो बी. एल.ओ. ने कुछ नहीं बोला, लेकिन शाम को नशे की हालत में आकर वह ग्राम प्रधान पंकज चौबे से गाली–गलौज कर उनकी कालर पकड़कर ली। जिसकी सूचना प्रधान पंकज चौबे ने 112 पर कॉल करके पुलिस को दी। मौके पर पहुंची 112 की पुलिस को देख बी. एल.ओ. विजय कुमार वहाँ से भागने लगा, जिनकी जेब से कथित रूप से संदिग्ध दवा भी बरामद करने की बात कही जा रही है। ग्राम प्रधान पंकज चौबे ने उक्त घटना की शिकायत एसडीएम समेत चिल्हिया पुलिस से कर कार्यवाही की मांग की है।

तो वहां के बीएलओ विजय कुमार (शिक्षामित्र) निवासी ग्रा. पं. सीतारामपुर के टोला बनकटवा ने भी ग्राम प्रधान पर मारपीट करने का लगाया आरोप लगाया है। शिकायत और मुकदमा दर्ज कर (शिक्षामित्र) को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका इलाज चल रहा है। बीएलओ संगठन के लोगों ने मारपीट की घटना से नाराज होकर एस.आई.आर. कार्य का बहिष्कार कर शोहरतगढ तहसील में उपजिलाधिकारी कार्यालय के सामने बीएलओ संगठन के साथ कई संगठन के लोग धरने पर बैठ गये कार्यवाही की मांग कर रहे थे। मामला शनिवार का बताया जा रहा है। मामले को देखते हुए एसडीएम विवेकानंद मिश्र स्वयं प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि निर्वाचन कार्य में बाधा डालने और लोकसेवक के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। एसडीएम केआश्वासन बाद बीएलओ ने अपना धरना समाप्त किया और पुनः कार्यों पर वापस लौटे। हालांकि, कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे वृहद आंदोलन के लिए विवश होंगे। वहीं इस संबंध में चिल्हिया थानाध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने बताया की उक्त घटना में प्रधान पंकज चौबे समेत अन्य लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है और पंकज चौबे का भी प्रार्थना पत्र मिला हुआ है, जाँच की जा रही है।

बाल श्रम उन्मूलन पर सांसद जगदंबिका पाल ने लोकसभा में उठाया मुदा

दैनिक बुद्ध का सदेंश

सिद्धार्थनगर। लोकसभा में सांसद जगदंबिका पाल ने महत्वपूर्ण जनहित से जुड़े अतारांकित प्रश्न उठाते हुए बाल श्रम उन्मूलन और राज्यों में पूंजीगत निवेश को बढ़ावा देने जैसे अहम विषयों पर सरकार से विस्तृत जानकारी मांगी। उन्होंने **PENCIL** पोर्टल के माध्यम से बाल श्रम के मामलों की मॉनिटरिंग, शिकायतों के समाधान और बचाए गए बच्चों के पुनर्वास जैसे मुद्दों को संसद में प्रमुखता से उठाया। यह पहल भारत को बाल श्रम मुक्त समाज बनाने और सतत विकास लक्ष्य (**SDG** 8.7) हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस विषय में विशेष रूप से उत्तर प्रदेश की स्थिति

मजबूत सामने आई है। **PENCIL** पोर्टल के तहत राज्य में अब तक 2,066 शिकायतें दर्ज हुईं और उनमें से 1,964 मामलों का समाधान किया गया, जो लगभग 95 प्रतिशत से अधिक निस्तारण दर को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि केंद्र सरकार की तकनीक आधारित मॉनिटरिंग व्यवस्था और जिला स्तर पर प्रशासनिक तंत्र प्रभावी रूप से काम कर रहा है और बाल श्रम के खिलाफ जमीनी स्तर पर कार्रवाई तेज हुई है। इसी क्रम में श्री पाल ने राज्यों के लिए केंद्र सरकार की स्पेशल असिस्टेंस फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट योजना पर भी प्रश्न उठाया। इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश को पिछले तीन वर्षों में बड़े स्तर पर वित्तीय सहायता मिली है। उत्तर प्रदेश को 2023–24 में ₹19,215 करोड़, 2024–25 में ₹17,223 करोड़ और 2025–26 में अब तक ₹12,466 करोड़ जारी किए गए हैं। कुल मिलाकर लगभग ₹48,900 करोड़ से अधिक की सहायता राज्य को प्राप्त हुई है, जिससे बुनियादी ढांचे, निवेश और रोजगार सृजन को गति मिली है। कुल मिलाकर, इन प्रश्नों के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि केंद्र सरकार सुधार आधारित निवेश, तकनीक आधारित शासन और राज्यों को मजबूत वित्तीय समर्थन देने की नीति पर लगातार काम कर रही है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य को इन योजनाओं का विशेष लाभ मिल रहा है, जिससे विकास परियोजनाओं को गति, रोजगार के अवसर और सामाजिक सुरक्षा तंत्र को मजबूती मिल रही है।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान में बच्चों ने बनाए मॉडल

दैनिक बुद्ध का सदेंश

सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र जोगिया में जिला स्तरीय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर बीएसए ने कहा कि राष्ट्रीय आविष्कार अभियान बच्चों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और तार्किकता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का समाधान खोजने में सक्षम बनते हैं।कार्यक्रम में विकासखंड स्तर पर चयनित 70 बच्चों ने अपना मॉडल बनाया और क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित मॉडल प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा स्मार्ट लाइट, दिन–रात का घटित होना, निपुण रोबोट, वाटर प्योरीफायर, ड्रोनव्हीलर सहित कई नवाचारी और उपयोगी मॉडल प्रस्तुत किए गए। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पांच विजेताओं को टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।इसके साथ ही आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम राउंड में प्रत्येक टीम से पांच बहुविकल्पीय प्रश्न, दूसरे राउंड में दो प्रश्न तथा अंतिम राउंड में पांच प्रश्न पूछे गए। छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी बौद्धिक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया।कार्यक्रम में डायट प्रवक्ता धर्मेंद्र कुमार, जिला समन्वयक अमित शुक्ला व आशीष मिश्र सहित पुष्पनाथ दुबे, अरुण निषाद, उत्कर्ष श्रीवास्तव, शैलेश राय, महेंद्र कुमार, अर्चना जायसवाल, धीरज शुक्ला, राघव तिवारी, दीप्ति वालियान आदि उपस्थित रहे।छात्रों को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक आशीष मिश्र ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में छिपी हुई प्रतिभा उभर कर सामने आती है। छात्रों में तार्किक क्षमता व व्यक्तित्व का विकास होता है।

मॉडल प्रतियोगिता में छात्रों का उ.ष्ट प्रदर्शन

मॉडल प्रतियोगिता में कंपोजिट विद्यालय बढ़नी के छात्र सूर्य कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पूर्व माध्यमिक विद्यालय नितवल के छात्र अशरफ अली को मिला। तृतीय स्थान कंपोजिट विद्यालय कोहड़ा, भनवापुर की छात्रा शिवानी गुप्ता ने हासिल किया।

क्विज प्रतियोगिता में भनवापुर के छात्रों का दबदबा

क्विज प्रतियोगिता में भनवापुर के छात्रों का दबदबा रहा। प्रथम पांचों स्थान भनवापुर के बच्चों ने हासिल किए। प्रथम तीन स्थान पर कंपोजिट विद्यालय कोहड़ा की शिवानी गुप्ता, रोशनी गुप्ता व विजयपाल यादव रहे। चौथा स्थान कंपोजिट रामपुर के चेतराम व पांचवां स्थान कंपोजिट विद्यालय भरौली की वंदना यादव ने प्राप्त किया। सभी विजेताओं को विज्ञान किट प्रदान की गई।

नामांतरण के बदले रिश्वत मांगने का आरोप, लेखपाल के खिलाफ डीएम से शिकायत

दैनिक बुद्ध का सदेंश

पथरा बाजार, सिद्धार्थनगर। तहसील डुमरियागंज क्षेत्र के ग्राम मिरवापूर निवासी शैलेष प्रताप सिंह द्वारा हल्का लेखपाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा गया है। शिकायत में लेखपाल पर नामांतरण की प्रक्रिया के लिए प्रति नाम एक हजार रुपये की अवैध मांग करने का आरोप लगाया गया है। जिलाधिकारी को दिए हुए शिकायती पत्र में शैलेष प्रताप सिंह के अनुसार उनके पिता रणवीर प्रताप सिंह का निधन 2 जनवरी 2026 को हो चुका है। मृतक के वैध वारिसों में शैलेष प्रताप सिंह सहित सुमित्रा सिंह, राकेश प्रताप सिंह एवं भूपेन्द्र सिंह ही हैं। वारिसान का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने के लिए उनके द्वारा ऑनलाइन आवेदन भी किया गया है। शिकायत में बताया गया है कि 30 जनवरी 2026 को उनके द्वारा तहसील डुमरियागंज में हल्का लेखपाल से मिले, जहां गवाहों की उपस्थिति में लेखपाल ने कथित रूप से कहा कि प्रत्येक वारिस के नाम दर्ज कराने के लिए एक हजार रुपये देने होंगे। आरोप है कि यदि धनराशि नहीं दी गई तो नामांतरण की प्रक्रिया में जानबूझकर विलम्ब किया जाएगा। शिकायतकर्ता द्वारा पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी लेखपाल के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नेपाल में संसदीय चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज, क्षेत्र नम्बर–03 में प्रत्याशियों का जनसंपर्क अभियान जोरों पर

दैनिक बुद्ध का सदेंश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर।पड़ोसी मित्र नेपाल राष्ट्र में होने वाले संसदीय चुनाव को लेकर

राजनीतिक माहौल दिन–प्रतिदिन गर्माता जा रहा है। इसी क्रम में क्षेत्र नम्बर–03 से विभिन्न दलों के प्रत्याशी लगातार जनता के बीच पहुंचकर अपने–अपने पक्ष में समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं। क्षेत्र नम्बर–03 से कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी अभिषेक प्रताप शाह जनसभाओं और जनसंपर्क के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों, विकास और स्थिर सरकार के मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं। वहीं राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी के प्रत्याशी प्रकाश राजोरिया भ्रष्टाचार मुक्त शासन और नई राजनीति का संदेश देकर युवाओं को आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। सीपीएन–यूएमएल (एमाले) से उम्मीदवार बिरेंदर कनोडिया पार्टी की उपलब्धियों और विकास कार्यों को आधार बनाकर जनता से समर्थन की अपील कर रहे हैं। दूसरी ओर जनता समाजवादी पार्टी (जसपा) के प्रत्याशी वीरेंदर मिश्रा सामाजिक न्याय, समानता और क्षेत्रीय विकास को अपना मुख्य मुद्दा बना रहे हैं। इसके साथ ही नेकपा माओवादी केन्द्र के उम्मीदवार एहसान भी जनसम्पर्क अभियान के तहत जनता को पार्टी की विचारधारा और संघर्ष के इतिहास से अवगत कराते हुए वोट देने की अपील कर रहे हैं। सभी प्रत्याशी डोर–टू–डोर सम्पर्क, छोटी–छोटी सभाओं और बैठकों के माध्यम से मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहे हैं। क्षेत्र में चुनावी चर्चा तेज हो गई है और आम जनता भी प्रत्याशियों के वादों और विचारधाराओं को लेकर उत्सुक नजर आ रही है। चुनाव नजदीक आने के साथ ही क्षेत्र नम्बर–03 में राजनीतिक गतिविधियां और अधिक तेज होने की संभावना है।

सम्पादकीय

वहीं दूसरी ओर डिजिटल मनोरंजन क्रांति हेतु रचनात्मक बढ़ाने वाली 'अॉरेंज इकॉनोमी' को भी प्राथमिकता बनाया गया है ताकि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की जा सके। हर बार नौकरी पेशा वर्ग की आस होती है कि इनकम टैक्स में छूट मिले। लेकिन इस बार किसी स्लैब में परिवर्तन नहीं हुआ। हां, अप्रैल 26 तक नया आयकर कानून लागू करने की ...

आत्मनिर्भरता हेतु विकास

राजग सरकार द्वारा रविवार को पेश आम बजट कई मायनों में खास रहा। तमिलनाडु के लोगों की आकांक्षाओं की पर्याय कांजीवरम साड़ी पहने लगातार नौवीं बार बजट पेश करके निर्मला सीतारमण ने नारी शक्ति का परचम ही लहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट की दशा–दिशा पर तीन शब्दों में संदेश दिया कि यह स्किल, स्केल और सस्टेनबिलिटी का बजट है। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विकास व आत्मनिर्भरता के लिए बजट है। दूसरी ओर विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि इसमें आम आदमी के लिए कुछ खास नहीं है। आम आदमी की जिज्ञासा यही होती है कि क्या सस्ता होगा और किस पर उसकी जेब ढीली होगी। कहा जा रहा है कि माइक्रोवेव्स, सोलर पैनल, चमड़ा उत्पाद, 17 दवाइयां तथा सात दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती होंगी। हर बार की तरह शराब, सिगरेट व तंबाकू प्रेमियों की जेब ढीली होगी। नये प्रावधानों में विदेशों में पढ़ रहे छात्रों को भेजे जाने वाले पैसे पर टीसीएस कम होगा। विदेश यात्रा पैकेज पर भी छूट दी गई है। आने वाले महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनका भी बजट में खास ख्याल रखा गया है। दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उत्पादों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दुर्लभ रेयर अर्थ पर ध्यान केंद्रित कर रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें तमिलनाडु–केरल का खास ध्यान रखा गया। आसन्न चुनाव वाले इन राज्यों के मछुआरों व नारियल उत्पादकों को प्रोत्साहन व छूट दी गई है। हालांकि, एसटीटी बढ़ाने के मुद्दे पर शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया। वहीं दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए इस उद्योग में चालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। वहीं सस्ती दवाओं के लिए 'बॉयोफार्मा शक्ति योजना' के लिए दस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान होगा, जिससे देश में मधुमेह व कैंसर की सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। दूसरी ओर आसन्न चुनाव वाले राज्यों पश्चिम बंगाल, असम व तमिलनाडु को हाई–स्पीड ट्रेन कॉरिडोर का लाभ देने का प्रस्ताव है। वहीं असम को बौद्ध सर्किट का लाभ दिया गया है। यह योजना बौद्ध तीर्थों के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा यहां तक कि तीर्थयात्रियों की पहुंच आसान बनाने की कोशिश है। वहीं दूसरी ओर डिजिटल मनोरंजन क्रांति हेतु रचनात्मक बढ़ाने वाली 'अॉरेंज इकॉनोमी' को भी प्राथमिकता बनाया गया है ताकि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की जा सके। हर बार नौकरी पेशा वर्ग की आस होती है कि इनकम टैक्स में छूट मिले। लेकिन इस बार किसी स्लैब में परिवर्तन नहीं हुआ। हां, अप्रैल 26 तक नया आयकर कानून लागू करने की बात बजट में कही गई है, जिसमें आयकर रिटर्न की फाइलिंग से जुड़ी समय सीमा और नियमों में बदलाव होगा। निश्चित रूप से दुनिया आपूर्ति शृंखला में जारी वैश्विक उथल–पुथल और टैरिफ युद्ध के बीच राजग सरकार ने आम बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी है। साथ ही आजादी के सौ साल पूरे होने पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है।

बजट में शिक्षा का संतुलनः विकास और भविष्य की नींव

किसी भी विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए शिक्षा पर खर्च करना एक निवेश है, उपभोग नहीं। जब हम बजट में शिक्षा के संतुलन की बात करते हैं, तो इसका अर्थ संसाधनों का प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के बीच समान वितरण होता है। बुनियादी ढांचा बनाम डिजिटल क्रांति के विषय में देखते हैं। वर्तमान बजटों में एक बड़ा संतुलन भौतिक स्कूलों के निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के बीच बनाना पड़ रहा है। जहाँ एक ओर ग्रामीण इलाकों में पक्की छतों और शौचालयों की आवश्यकता है, वहीं दूसरी ओर श्डिजिटल इंडियाश के तहत स्मार्ट क्लासरूम और इंटरनेट पहुंच के लिए भारी निवेश की जरूरत है। गुणवत्ता और कौशल विकास को देखना भी जरूरी है। केवल उपाधियां वितरित करने से बेरोजगारी का समाधान नहीं होता है। बजट का संतुलन तब दिखता है जब किताबी ज्ञान के साथ–साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण पर भी जोर दिया जाए। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, बजट में कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य तकनीकी कौशलों के लिए विशेष फंड का प्रावधान इस संतुलन को दर्शाता है। शोध और नवाचार को देखें तो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत को वैश्विक केंद्र बनाने के लिए श्अनुसंधानश पर खर्च बढ़ाना अनिवार्य है। बजट में रिसर्च फेलोशिप और लैब के लिए आवंटन यह सुनिश्चित करता है कि हमारे छात्र विदेशों की ओर पलायन करने के बजाय स्वदेश में ही नवाचार कर सकें। समावेशी शिक्षा अनिवार्य पक्ष है। बजट का सबसे महत्वपूर्ण संतुलन सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों तक पहुंच बनाना है। छात्रवृत्ति, मिड–डे मील और लड़कियों की शिक्षा के लिए विशेष प्रोत्साहन बजट के मानवीय पक्ष को मजबूत करते हैं। मुख्य चुनौतियाँ भी हैं। विशेषज्ञ लंबे समय से शिक्षा पर जीडीपी का 6ः खर्च करने की सलाह देते रहे हैं, जिसे हासिल करना अभी भी एक चुनौती है। शिक्षकों का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। केवल तकनीक लाने से सुधार नहीं होगा; शिक्षकों को आधुनिक पद्धतियों में प्रशिक्षित करने के लिए बजट का एक हिस्सा समर्पित होना चाहिए। ध्यातव्य है कि बजट में शिक्षा का संतुलन केवल अंकों का खेल नहीं है, बल्कि यह समानता, गुणवत्ता और पहुंच के बीच का सामंजस्य है। एक संतुलित बजट वही है जो एक गरीब बच्चे को प्राथमिक शिक्षा की गारंटी दे और एक मेधावी छात्र को वैश्विक स्तर के शोध की सुविधा प्रदान करे।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

संगठित आतंकवाद वैश्विक शांति के लिए खतरा

आतंकवाद अब स्थानीय नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और मानवीय मूल्यों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। यह धीरे–धीरे एक संगठित और व्यावसायिक स्वरूप ले रहा है। इस प्रकार आतंकवाद एक घातक वैश्विक बाजार में बदलता जा रहा है, जो विकास के बजाय मृत्यु का संदेश देता है। ऐसे में इससे निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ को अपनी भूमिका और दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा...

दुनिया में आतंकवाद अब कोई स्थानीय समस्या नहीं रहा। इसका नियंत्रण भी प्रशासनिक अधिकारियों के स्थानीय दृष्टिकोण से नहीं हो सकता। आतंकवाद विश्व स्तर पर एक संगठित धंधा बन चुका है। अलग–अलग देशोंकृचाहे फलस्तीन हो या पाकिस्तानकृमें आतंकवाद का पोषण खुलेआम होता है। फलस्तीन में हमास की गतिविधियां और पाकिस्तान में आतंकवादियों के पोषण के अड्डे किसी से छिपे नहीं हैं। आतंकवाद का पोषण भी एक संगठित तरीके से विभिन्न देशों द्वारा किया जाता है, लेकिन जब इस मानवता–विरोधी कारगुजारी पर सवाल उठाए जाते हैं, तो वे बड़ी मासूमियत से अपनी संलिप्तता से इनकार कर देते हैं। भारत के विरुद्ध आतंकवाद का निरंतर पोषण करते हुए भी पाकिस्तान कभी इस बात को स्वीकार नहीं करता, बल्कि स्वयं को आतंकवाद से पीड़ित बताता रहता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति की चाल भी निराली है। पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तान को आतंकवाद का शिकार देश बताते हुए उसे आतंक के मुकाबले में अग्रणी करार दे दिया था। आतंकवादी पाकिस्तान में पनाह लिए रहते हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादी सूचियों में दुर्दांत आतंकवादियों के नाम गायब हो जाते हैं। आतंकवाद का मुखर समर्थन करने वाले इन देशों के पीछे बड़ी ताकतें रहती हैं, जो उन्हें आर्थिक सहायता और हथियारों की आपूर्ति कर पीठ थपथपाती हैं। दुनिया भर में आतंकवाद एक संगठित कारोबार के रूप में फैलता जा रहा है। यदि पाकिस्तान के आतंकवाद पर अप्रत्यक्ष रूप से चीन की सहमति है, तो फलस्तीन के हमास आतंकियों के पीछे कुछ इस्लामिक देश हैं। लेकिन जो सच है, उसे नजरअंदाज कर आतंक–पोषक देश अपनी मासूमियत जताते हैं। वास्तव में आतंकवाद की शिकार वह साधारण जनता है, जिसके जान–माल और रोजी–रोटी पर आतंकियों का कुठाराघात होता है। पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र संघ में पाकिस्तान ने सुरक्षा परिषद के सामने नाटकीय ढंग से आतंकवाद का पोषक होने से इनकार किया। उसने कहा कि केवल सरकारी नीति के अनुसार ही देश में व्यवस्था चलाई जाती है और उसी के तहत शत्रु का मुकाबला किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भी झूठा ब्योरा प्रस्तुत किया और पहलगाम की निर्मम घटना के दोष से स्वयं को बरी कर लिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के सुरक्षा प्रतिनिधि ने खरी–खरी सुनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर पर झूठा ब्योरा पेश करने को लेकर पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने जोर देकर कहा कि इस्लामाबाद आतंकवाद को सामान्य घटना के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संयुक्त राष्ट्र के इस सदन में पाकिस्तान आतंकवाद को वैध ठहराने की अपनी ओछी हरकत नहीं कर सकता। पहलगाम में अप्रैल, 2025 में पाकिस्तानी आतंकियों ने जघन्य हमला कर निर्दोष नागरिकों की हत्या की थी। इस आतंकी घटना के जवाब में और पाकिस्तानी आतंकी अड्डों को नष्ट करने के उद्देश्य से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। भारत ने पाकिस्तान के भीतर जाकर आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त किया और पाकिस्तान–अधिकृत क्षेत्रों में भी आतंकी ढांचों को नष्ट किया। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह फिर से आतंकी अड्डों को पुनर्जीवित कर आतंकवाद के पोषण में जुटा हुआ है। आज संयुक्त राष्ट्र संघ भी अपनी प्रासंगिकता खोता हुआ प्रतीत हो रहा है। वह कहीं भी शांति सुनिश्चित करने में सक्षम नहीं दिखता। उसके निंदा प्रस्तावों का आतंकियों या उन्हें संरक्षण देने वाले देशों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। यही देश संयुक्त राष्ट्र के मंच पर आकर स्वयं को आतंकवाद से पीड़ित मासूम राष्ट्र बताते हैं। भारतीय प्रतिनिधि ने स्पष्ट कहा कि संयुक्त राष्ट्र केवल बजट की चिंता तक सीमित न रहे, बल्कि संघर्षों से निपटने में अपनी जड़ता और प्रभावहीनता को समाप्त करे। इसी कारण आतंकवादी सिर उठा रहे हैं और अपने षड्यंत्रकारी, आक्रामक रवैये से विश्व को युद्ध की ओर धकेल रहे हैं। आतंकवाद अब स्थानीय नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और मानवीय मूल्यों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। यह धीरे–धीरे एक संगठित और व्यावसायिक स्वरूप ले रहा है। इस प्रकार आतंकवाद एक घातक वैश्विक बाजार में बदलता जा रहा है, जो विकास के बजाय मृत्यु का संदेश देता है। ऐसे में इससे निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ को अपनी भूमिका और दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा। सुरक्षा परिषद को वीटो–आधारित यंत्रचालित ढांचे से बाहर निकलकर पारदर्शिता, सत्य और न्याय पर आधारित प्रभावी मंच बनना चाहिए।

लेखक साहित्यकार हैं।

अमिताव घोष के सृजन में कल्पना और सच का जादुई मिश्रण

अब सीधे 'गन आइलैंड' पर आते हैं, जो मकड़ियों, आप्रवासन और पर्यावरण आपदाओं को लेकर बुनी एक शानदार फंतासी है, जोकि वेनिस, कोलकाता और सुंदरबन के बीच घूमती रहती है। नागों की देवी, मनसा देवी की गाथा सबसे पहले यहीं प्रकट होती है। 'द हंग्री टाइड' कहानी कुछ ज्यादा ही भाषणबाजी किस्म की लगी, जो पर्यावरणीय बदलावों से बने संकटों को ...

लेखक अमिताव घोष की नवीनतम पुस्तक 'घोस्ट आई' दिखावे से परे असीम प्रेम की गाथा है। वे ब्रह्मांड को समेटने की कोशिश करते हैं, पूर्व जन्मों को, इंसानों और गैर–इंसानों को भी। उनके लेखन की खासियत है कि वे सच और परिकल्पना को एक जादुई मिश्रण में ढाल देते हैं और उसे अपना बना लेते हैं। भारतीय लेखक अमिताव घोष इन दिनों अपनी नई किताब 'घोस्ट आई' के प्रचार लिए अपनी मातृभूमि में यात्रा कर रहे हैं, जी बिल्कुल, वे पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश या जम्मू–कश्मीर के आस–पास भी कहीं नहीं आ रहे, क्योंकि ऐसा लगता है कि इस क्षेत्र में साहित्य–सम्मेलनों की भरमार के बावजूद –जिसमें चंडीगढ़ में होने वाले दो सम्मेलन भी शामिल हैं, और दोनों में ध्यान ज्यादातर इस बात पर केंद्रित रहता है कि वहां आपने किस–किस हस्ती को देखा बजाय इसके कि आपने यह वाली किताब पढ़ी है या नहीं दृ देश के इन हिस्सों में पाठकों का बाजार ज्यादा बड़ा नहीं है। (किताबों से जुड़े लोग भी इस बारे में जानते हैं)। तो यहां अमिताव घोष के बारे में पहलू यह है – शायद वे उन सबसे ज्यादा गैर–मिलनसार लोगों में एक हैं जिनसे आपकी भेंट हुई होगी। वह रूखे हैं, यहां तक कि चिड़चिड़े भी। पिछली एक किताब की बाबत एक इंटरव्यू में, उन्होंने पुस्तक के बारे में बात ही करने से मना कर दिया था। दशकों पहले मैं उनके पूर्व प्रकाशक रवि दयाल की ओर से उन्हें भेजी गईं कुछ किताबों का बंडल, जो सिर्फ दक्षिण एशिया में छपी थीं, नई दिल्ली से न्यूयॉर्क ले कर गई थी – कई ईमेल के बाद हम एक कॉफी शॉप में मिले और मैंने सोचा, वाह, यहां मुझे इस मूडी न्यिता के पीछे के इंसान को जानने का मौका मिलेगा। लेकिन वह शख्स अंदर आये, मुझसे किताबें लीं, हल्की सी मुस्कान के साथ धन्यवाद कहा, मुड़े और चला गये। मुझे लगा कि मैं एक ऐसी कॉफी के लिए कई डॉलर ज्यादा ही खर्च कर डाले, जो पीने में न तो गर्म थी और न ही स्वादिष्ट। बहरहाल, अगर आप जब उनका काम पढ़ना शुरू कर रहे हैं तो शुरुआत आपको 'द ग्लास पैलेस' से करनी चाहिए, एक ऐसी कहानी जो ताउम्र आपके याद रहेगी, कथानक भारत और बर्मा के बारे में है, मुश्किलों और यातनाओं का एक ऐसा सिलसिला जो महान राजा थिबाव की मुसीबतों से संबंधित है, जिन्हें अंग्रेजों ने उनके प्यारे मांडले से निकालकर महाराष्ट्र के तट पर रत्नागिरी में नजरबंद कर दिया था, जहां पर 1916 में उनकी मृत्यु एकाकीपन में हुई दृ सनद रहे, अंग्रेजों ने 1857 के असफल विद्रोह के बाद बहादुर शाह जफर को भी रंगून निर्वासित कर दिया था, जहां पर 1862 में वे अपने अंतिम समय तक रहे। इन दिनों, जब चीजें बिखर रही हैं, तब हम भारत और उसके पूर्वी पड़ोसी म्यांमार के बीच रहे गहरे रिश्तों को भुला देते हैं। 2000 में जब अमिताव ने 'ग्लास पैलेस' लिखी और इतिहास की किताबों से इतिहास के नाटकीय पन्नों को फिर से सामने लाये, तब आप साफ तौर पर देखते कि भारत और बर्मा, दोनों देश जब ब्रिटिश राज का हिस्सा बने, अंग्रेजों ने किस प्रकार दो राजवंशों का निष्ठुरता से विनाश किया, 1935 में बर्मा के एक आजाद देश बनने तक, भारतीय रेलवे कोलकाता को रंगून–यांगून से जोड़ती थी और लोग बिना किसी भय या सीमा, पासपोर्ट या वीजा जैसी चीजों की अनिवार्यता बगैर एक से दूसरी जगह आते–जाते थे, काम करते थे, शादी करते थे, संतान पैदा करते थे, ठीक वैसे ही जैसा हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक फैले विशाल भारतीय उपमहाद्वीप में कहीं और होता थाय कि दूसरे विश्व युद्ध का एक बड़ा हिस्सा न केवल यूरोप और अफ्रीका के युद्ध क्षेत्रों में लड़ा गया बल्कि बर्मा और मलाया भी रणक्षेत्र रहा, जिसको अब दक्षिण–पूर्व एशिया कहते हैंय और यह कि भारतीय सैनिक हर जगह लड़े, पूर्व व पश्चिम में, करीब 25 लाख सैनिक, जिनमें आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 87,000 योद्धा मारे गए– एक ऐसे देश या गठबंधन की ओर से लड़ते हुए जो उनका अपना था भी नहीं। अमिताव घोष की यही खासियत है कि वे सच और परिकल्पना को एक जादुई मिश्रण में ढाल देते हैं और उसे अपना बना लेते हैं। इसलिए जब बीते हफ्ते यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर चीन गए और आपने उनकी शी जिनपिंग के साथ हाथ मिलाते हुए तस्वीरें देखीं, तो आपका दिमाग जरूर अमिताव की 'इबिस ट्रिलॉजी' की तरफ गया होगा। बेशक, प्यार तो उन अनजानी जगहों पर भी पनप सकता है जिसके बारे में कभी सोचा न हो, क्योंकि लोगों की जीवनधारा रूपी नाटक का भव्य मंचन महाद्वीपीय सीमाओं से परे भी होता रहता है, जिसमें युद्ध, व्यापार और वह अंतिम चीज, अफीम भी शामिल है। 'रिवर ऑफ स्मोक' बताती है कि क्यों कई चीनी इतिहासकारों का मानना है कि वर्ष 1839 ने 'अपमान की सदी' की शुरुआत की, जो अफीम युद्धों से शुरू हुई और 1949 में खत्म हुई जब माओ ने अपने असंगठित योद्धाओं के समूह का नेतृत्व करते हुए बीजिंग के बीचों–बीच स्थित 'मध्य राजशाही' (चीन का एक अन्य नाम) का तख्तापलट कर दिया था। एक कहानी जो 'सी ऑफ पॉपीज' नामक शीर्षक से शुरू होती है, उसका संबंध पूर्वांचल में गंगा के किनारे गाजीपुर में बनी अफीम फैक्ट्री और दुनिया भर में भारतीयों के बंधुआ मजदूर के रूप में प्रवास से जोड़कर देखें। अफीम, इसका लाभदायक व्यापार, साम्राज्य बनाने और राष्ट्रवाद को कुचलने, दोनों में इसकी भूमिका, 'रिवर ऑफ स्मोक' और 'फ्लड ऑफ फायर' में कहानी का विषय हैं। 'द शैडो लाइन्स' के नए संस्करण शायद आजकल छप नहीं रहे दृ हालांकि, जिस गति से आज की तारीख में बांग्लादेश की राजनीति बदल रही है, उसे देखते हुए आप शायद नजदीकी लाइब्रेरी में वापस जाकर इसे ढूंढना चाहें। अब बात करते हैं।

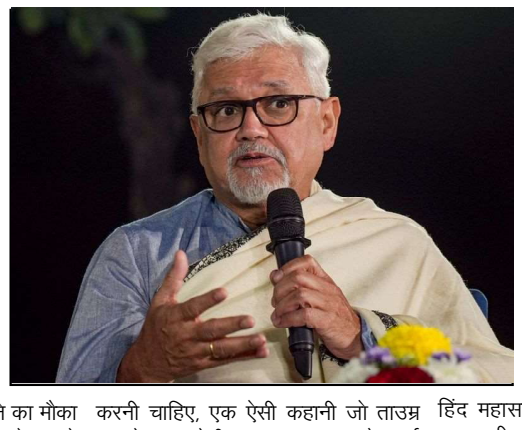

पाकिस्तान के हाथ से फिसल रहा बलूचिस्तान , शरीर से बम बाँधकर महिलाएं बन रहीं फिदाइन, पीछे हट रहे पाक सुरक्षाबल

बलूचिस्तान में धधकती आग ने एक बार फिर पाकिस्तान की नीति, नीयत और नैतिकता को कटघरे में खड़ा कर दिया है। हम आपको बता दें कि दक्षिण पश्चिम के इस विशाल और संसाधन समृद्ध प्रांत में पिछले दिनों समन्वित हमलों की ऐसी कड़ी चली कि कई जनपदों में घंटों तक गोलियां, विस्फोट और घेराबंदी की गूंज सुनाई देती रही। बलूच मुक्ति सेना ने इसे अपने नायक नामक अभियान का दूसरा चरण बताया और कहा कि उसके दलों ने खरान, मस्तुंग, तुंप और पसनी जैसे इलाकों में कार्यवाही पूरी की, जबकि कुछ स्थानों पर गतिविधि ा जारी है। संगठन के प्रवक्ता जीयंद बलूच के अनुसार उनके साथी क्वेटा और नोश्की के हिस्सों तक पहुंचे और वहां पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

बलूच संगठन ने दावा किया कि सेना, पुलिस और सीमांत बल के दो सौ से अधिक कर्मी मारे गए और सत्रह को पकड़ा गया। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। प्रांत के मुखिया सरफराज बुगती ने कहा कि हमलों में 31 नागरिक और 17 सुरक्षाकर्मी मारे गए। दूसरी ओर सैन्य पक्ष का कहना है कि जवाबी कार्यवाही में 145 से अधिक हमलावर ढेर किए गए। अलग अलग दिनों में मारे गए लोगों की संख्या पर भी अलग अलग बयान आए। साफ है कि सच आंकड़ों की धुंध में छिपा है, पर खून की सच्चाई जमीन पर बिखरी पड़ी है।

इन हमलों की एक चौंकाने वाली कड़ी महिलाओं की भागीदारी रही। संगठन ने माना कि उसके 18 साथी मारे गए जिनमें 11 फिदाइन मजीद दल के, 4 फतह दल के और 3 एक अन्य इकाई के थे। उन्हीं में आसिफा मेंगल का नाम भी सामने आया जिसने नोश्की में गुप्तचर मुख्यालय को निशाना बनाने के लिए वाहन में रखे विस्फोटक का उपयोग किया। संगठन के अनुसार उसने पिछले वर्ष दल ज्वाइन किया और इस वर्ष फिदाइन बनने का निर्णय लिया। एक अन्य फिदाइन हवा बलूच का संदेश भी जारी किया गया जिसे उसकी अंतिम घड़ियों से पहले भेजा गया बताया गया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने भी माना कि कम से कम दो हमलों में महिलाओं ने भूमिका निभाई।

कई स्थानों पर हमलावर आम नागरिकों के भेष में आए, बाजार, बैंक, विद्यालय और अस्पताल जैसे ठिकानों को निशाना बनाया, सड़कों को कुछ समय के लिए रोका और सुरक्षा ठिकानों पर भी गोलियां चलाईं। प्रशासनिक इमारतों के आसपास घेराबंदी रही, दूरभाष सेवाएं रोकी गईं और रेल सेवा थम गई। बाद में सार्वजनिक सभाओं और जुलूसों पर प्रतिबंध, आवागमन पर रोक और चेहरा ढकने पर मनाही जैसे कदम उठाए गए। यह सब बताता है कि हालात कितने तनावपूर्ण हैं। इसी बीच बलूच संगठन ने कहा है कि उसने नोश्की के उपायुक्त मुहम्मद हुसैन हजारा और सहायक आयुक्त मरिया शमू को पकड़ कर मानवीय

आधार पर छोड़ा। उसने यह भी कहा कि स्थानीय असैनिक प्रशासन और पुलिस उसके सीध ो विरोधी नहीं, पर जो लोग सेना की मदद करेंगे उन्हें शत्रु माना जाएगा। साथ ही लोगों से सतर्क रहने, सुरक्षा बलों से दूरी रखने और अपने इलाकों में उसके साथियों का साथ देने की अपील की गई। उधर, पाकिस्तान ने इन घटनाओं के लिए भारत पर उंगली उठाई। गृह मंत्री मोहसिन नकवी और सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि हमलों के पीछे भारत समर्थित तत्व हैं। लेकिन नई दिल्ली ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया और कहा कि यह अपनी नाकामी से ध्यान हटाने का पुराना तरीका है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साफ कहा कि बेहतर होगा इस्लामाबाद अपने लोगों की पुरानी मांगों पर ध्यान दे, जिनमें संसाधनों पर अधिकार और अधिक स्वायत्तता शामिल है। उन्होंने दमन, क्रूरता और मानव अधिकार उल्लंघन के पाकिस्तान के अभिलेख का भी जिक्र किया। देखा जाये तो बलूचिस्तान पाकिस्तान के भूभाग का लगभग 44 प्रतिशत है, पर जनसंख्या का छोटा हिस्सा यहां बसता है। यह गैस और खनिज जैसे संसाधनों से भरपूर है, फिर भी यहां के लोगों को विकास का लाभ कम मिला। स्थानीय कार्यकर्ता लंबे समय से जबरन गायब किए जाने, राजनीतिक हाशिए पर धकेले जाने और संसाध ानों की लूट के आरोप लगाते रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में अलग राज्य या अधिक अधिकार की मांग दशकों से सुलग रही है। बलूच समाज के भीतर विद्रोह की जड़ें गहरी हैं और कई नागरिक समूह विद्रोही विचारों के प्रति सहानुभूति रखते हैं।

बलूचिस्तान की त्रासदी केवल सुरक्षा का सवाल नहीं, यह न्याय, सम्मान और हिस्सेदारी का सवाल है। जब किसी प्रांत की जमीन से गैस और खनिज निकलें, पर वहां के घरों में अंध ेरा रहे, जब आवाज उठाने पर लोगों को गायब कर दिया जाए, जब पहचान और अधिकार को शक की नजर से देखा जाए, तब असंतोष अंगार बनता है। पाकिस्तान ने सालों तक बलूचिस्तान को सुरक्षा नजरिये से देखा, राजनीतिक समाधान से नहीं। परिणाम सामने हैरू अविश्वास, गुस्सा और हिंसा का चक्र।

महिलाओं का फिदाइन बनना समाज की गहरी पीड़ा का संकेत है। यह किसी भी समाज के लिए खतरे की घंटी है कि उसकी बेटियां जीवन नहीं, मौत का रास्ता चुन रही हैं। इससे अधिक कठोर संदेश क्या होगा कि उम्मीद का कुआं सूख चुका है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी हल नहीं, पर हिंसा को जन्म देने वाली नीतियां भी उतनी ही दोषी हैं।

पाकिस्तान को समझना होगा कि भारत पर आरोप लगाना आसान है, पर इससे बलूचिस्तान के लोगों का दर्द कम नहीं होगा। झूठे आरोप घरेलू असफलता पर पर्दा डाल सकते हैं, पर जमीन पर हकीकत नहीं बदलते। जरूरी है कि इस्लामाबाद बलूच जनता से सीधी बात करे, संसाधनों पर न्यायपूर्ण हिस्सेदारी दे, मानव अधिकार उल्लंघन रोके और राजनीतिक संवाद शुरू करे। बलूच लोगों की हिम्मत, उनकी पहचान और उनके अधिकार का सम्मान ही शांति का रास्ता खोल सकता है।

बहरहाल, अगर बलूचिस्तान में पाकिस्तान की नीतिगत नाकामी जारी रहती है, तो यह केवल एक प्रांत की समस्या नहीं रहेगी बल्कि पूरे देश के लिए सिरदर्द बन सकती है। वहां का असंतोष अन्य उपेक्षित क्षेत्रों को भी संदेश देता है कि केंद्र से टकराव ही सुने जाने का रास्ता है। लगातार सैन्य समाधान पर जोर अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ाता है, निवेशकों का भरोसा गिराता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि खराब करता है। साथ ही सीमावर्ती और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इलाके में अस्थिरता से तस्करी, उग्रवाद और बाहरी दखल का खतरा बढ़ता है। अगर इस्लामाबाद ने राजनीतिक संवाद, न्यायपूर्ण संसाधन बंटवारे और मानव अधिकार सम्मान की राह नहीं पकड़ी, तो बलूचिस्तान की आग धीरे धीरे पूरे पाकिस्तान की स्थिरता को झुलसा सकती है।

भारत के खिलाफ बहिष्कार, लेकिन फाइनल का क्या? पाकिस्तान के रुख पर पूर्व क्रिकेटरों ने उठाए सवाल

आगामी टी 20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ महामुकाबले के बहिष्कार के पाकिस्तान के फैसले ने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। जिसे एक राजनीतिक बयान माना जा रहा था, उसने अब कई असहज सवाल खड़े कर दिए हैं खासकर इस बात को लेकर कि क्या यह बहिष्कार केवल चुनिंदा मैचों तक सीमित रहेगा या इसके परिणाम और भी गहरे होंगे।

आखिर क्यों पाकिस्तान ने दी बहिष्कार की धमकी?: इस तनाव की जड़ में पीसीबी अध्यक्ष और आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी का बयान है। उन्होंने बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाते हुए टूर्नामेंट से हटने की धमकी दी थी, क्योंकि 20 टीमों वाले इस मुकाबले में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है।

मामला 15 फरवरी को कोलंबो का है, जहां भारत और पाकिस्तान का टी 20 वर्ल्ड कप

2026 के लीग स्टेज में मुकाबला होना था। जहां पाकिस्तान सरकार के ऐलान ने फैंस को चौंका दिया, वहीं पूर्व क्रिकेटरों ने सबसे तीखे सवाल उठाए हैं, यह सोचते हुए कि क्या किसी ग्लोबल टूर्नामेंट में चुनिंदा भागीदारी संभव है। पीटरसन और अश्विन ने बॉयकॉट के रुख पर सवाल उठाए: इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन इस कदम के पीछे के तर्क को सार्वजनिक रूप से चुनौती देने वाले पहले लोगों में से थे, उन्होंने सवाल किया कि अगर टूर्नामेंट में बाद में दोनों टीमें आमने–सामने होती हैं तो क्या पाकिस्तान वही रुख बनाए रखेगा।

पीटरसन ने अपनी पोस्ट में लिखा ष्क्या नहीं कि ग्रुप और प्ले–ऑफ की वजह से भारत इस वर्ल्ड कप फाइनल में पाकिस्तान से मिल पाएगा, लेकिन अगर वे मिल पाते हैं, तो क्या पाकिस्तान वर्ल्ड कप फाइनल खेलने से मना कर देगा?ष इसके तुरंत बाद, भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी इस पर अपनी राय दी, और बताया कि इस तरह के बॉयकॉट से नॉकआउट मैचों में क्या दिक्कतें आ सकती हैं। अश्विन की पोस्ट में लिखा था ष्क्या नॉकआउट में भी भारत–पाकिस्तान मैच नहीं होगा? पक्का? अगर हम वहां पहुंचते हैं तो क्या यह वर्ल्ड टी20 बाय होगा?ष पाकिस्तान ने भारत बनाम पाकिस्तान मैच के बॉयकॉट की धमकी क्यों दी?: पाकिस्तान के बॉयकॉट का ऐलान **PCB** चेयरमैन और गृह मंत्री मोहसिन नकवी के बयानों से हुआ है, जिन्होंने 20 टीमों के टूर्नामेंट में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किए जाने के बाद बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाते हुए टूर्नामेंट से हटने की धमकी दी थी। हालांकि राजनीतिक संदेश साफ था, लेकिन क्रिकेट पर इसका असर कुछ और ही हुआ है।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने पहले ही गंभीर चिंताएं जताई हैं, चेतावनी दी है कि चुनिंदा भागीदारी टूर्नामेंट और उसके ग्लोबल दर्शकों को कमजोर करती है। **ICC** ने कहा है कि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से औपचारिक जानकारी का इंतजार कर रहा है, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि ऐसे फैसलों के खेल पर लंबे समय तक परिणाम हो सकते हैं। इस बीच, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (**BCCI**) के सूत्रों का कहना है कि भारत प्रोटोकॉल का पालन करेगा। टीम कोलंबो जाएगी, ट्रेनिंग सेशन और मीडिया कमिटमेंट में हिस्सा लेगी, और आखिरी फैसला मैच अधिकारियों पर छोड़ देगी। भारत–पाकिस्तान मैच क्रिकेट की सबसे कीमती प्रॉपर्टी बनी हुई है, यही वजह है कि 2012 से द्विपक्षीय संबंध खराब होने के बावजूद **ICC**ने लगातार दोनों टीमों को एक ही ग्रुप में रखा है। अगर पाकिस्तान अपनी बात पर अड़ा रहता है, तो 2026 का ज्20 वर्ल्ड कप 2010 के बाद पहला ऐसा मेंस **ICC** इवेंट हो सकता है जिसमें भारत– पाकिस्तान का मैच न हो, एक ऐसा हालात जो **ICC** को और कड़े कदम उठाने पर मजबूर कर सकता है।

1.93 लाख करोड़...भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़ी उछाल, जीएसटी में छप्पर फाड़ कलेक्शन!

आज जब पूरी दुनिया में ट्रंप के टेरिफ की वजह से कई

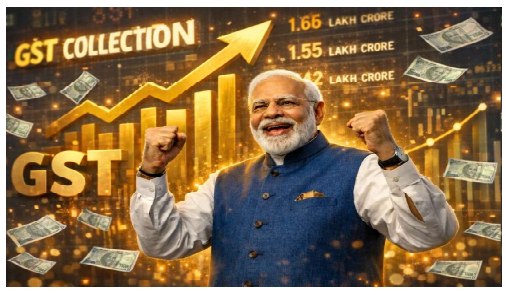

बड़ी अर्थव्यवस्थाएं सुस्ती से जूझ रही हैं तो वहीं भारत अपनी आर्थिक ताकत का साफ संकेत दे रहा है। जहां देश की टैक्स व्यवस्था से लेकर घरेलू बाजार और इंपोर्ट तक हर मोर्चे पर मजबूती नजर आ रही है। इसी ताकत की एक बड़ी तस्वीर सामने आई है। जहां जनवरी महीने की जीएसटी आंकड़ों में भारी उछाल देखने को मिला है। जनवरी महीने में देश का जीएसटी कलेक्शन बढ़कर घ्19384 करोड़ तक पहुंच गया है। यह पिछले साल के जनवरी महीने के मुकाबले 6.2% ज्यादा है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक इस बढ़त के पीछे मजबूत घरेलू गतिविधियां और इंपोर्ट से होने वाली अच्छी कमाई की अहम भूमिका है। अगर पिछले साल की बात करें तो जनवरी 2025 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 18294 करोड़ था। सीधे–सीधे शब्दों में बताएं तो एक साल में टैक्स वसूली में साफ–साफ इजाफा हुआ है जो अर्थव्यवस्था की रफ्तार को दिखाता है। अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 की अवधि में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 18,83,423 करोड़ पहुंच गया है। सालाना आधार पर इसमें लगभग 8.3: की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सिर्फ ग्रॉस ही नहीं बल्कि नेट जीएसटी रेवेन्यू में भी काफी अच्छी तेजी देखने को मिली है। जनवरी महीने में नेट जीएसटी रेवेन्यू घ170719 करोड़ रहा है। यह आंकड़ा पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 7.6: ज्यादा है।

वहीं अगर पूरे वित्त वर्ष की बात करें तो अप्रैल से जनवरी के बीच नेट जीएसटी रेवेन्यू घ15,95,752 करोड़ तक पहुंच गया है। इसमें सालाना के आध ार पर लगभग 6.8: की बढ़त दर्ज की गई है। रिफंड के मोर्चे पर स्थिति थोड़ी–मोड़ी मिलती जुलती है। जनवरी महीने में कुल जीएसटी रिफंड घ2,665 करोड़ दर्ज किया गया है। यह पिछले साल के मुकाबले 3.1: कम है। घरेलू रिफंड में गिरावट देखी गई। यह 7.1% घटकर 13,119 करोड़ रह गया है। वहीं निर्यात से जुड़े रिफंड में बढ़त दर्ज की गई है और यह 2 9: की बढ़ोतरी के साथ घ9546 करोड़ तक पहुंच गया है। घरेलू बाजार से मिलने वाला जीएसटी संग्रह भी मजबूत हो रहा है।

मोतीपुर थाने में तैनात दारोगा व सिपाही किए गए निलंबित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। आईजी अमित पाठक द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई किया जा रहा है जिसमें भ्रष्टाचार के आरोप में मोतीपुर थाने में तैनात दारोगा व सिपाही की जांच कराई गई जांच में दोषी पाए जाने पर निलंबन की कार्रवाई की गई। शिकायतकर्ता निजामुद्दीन पुत्र मुन्ना निवासी बेगम पुरवा, मटेही कला, थाना मोतीपुर जनपद बहराइच, की लड़की की शादी थी। शिकायतकर्ता अपने मकान के सहन पर हुए गड्ढे को भरने के लिये दिनांक 07.01.2026 को ठेला गाड़ी लेकर डॉक्टर कुनियाघाट से मिट्टी भरकर वापस आते समय रात्रि 23रू00 बजे, उपनिरीक्षक अमरेश गिरी व हेड कांस्टेबल शैलेंद्र यादव, थाना मोतीपुर जनपद बहराइच, ठेला गाड़ी को रोककर थाने ले जाने लगे व 30000 रू की मांग की गई और कहा गया कि अगर पैसा नहीं दोगे तो अवैध खनन के केस में जेल भेज देंगे। शिकायतकर्ता द्वारा 30000 रु० उधार लेकर उक्त उ०नि० व हेड कांस्टेबल को दिया गया। जिसकी शिकायत, शिकायतकर्ता द्वारा देवीपाटन परिक्षेत्र, गोण्डा के भष्टाचार निरोधी हेल्पलाइन नम्बर–8467919487 पर की गयी। शिकायत के उपरान्त पुलिस महानिरीक्षक, देवीपाटन के भ्रष्टाचार निरोधी सेल द्वारा संज्ञान लेते हुए, प्रकरण की गोपनीय जाँच करायी गयी, जिसमें प्रथम .ष्टया आरोप सही पाया गया। इसके बाद मामले की विस्तृत जाँच क्षेत्राधिकारी मिहींपुरवा से करायी गयी, जिसमें आरोप सही पाये गये। प्रकरण में दोषी पाये जाने के पश्चात उप निरीक्षक अमरेश गिरी व हेड कांस्टेबल शैलेंद्र यादव, थाना मोतीपुर, जनपद बहराइच, को परिक्षेत्रीय कार्यालय के निर्देश के बाद, तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर, इनके विरूद्ध उ०प्र० के अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दण्ड एवं अपील) नियमावली–1991 के नियम 14 (1) के प्रावधानों के अन्तर्गत, विभागीय कार्यवाही संस्थित कर दी गयी है। भ्रष्टाचार के प्रकरणों में जीरो टॉलरेन्स की नीति अपनाते हुए, भ्रष्टाचार निरोधी हेल्पलाइन पर प्राप्त प्रकरणों में, भविष्य में इसी प्रकार सख्त कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

पाकिस्तानी सेना के लिए काल बनी बलूच महिला फिदायीन, बीएलए ने जारी की तस्वीरें, बताया कैसे किया हमला

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), जिसने पाकिस्तान के प्रांत के शहरों और कस्बों में हुए बड़े पैमाने पर समन्वित हमलों की जिम्मेदारी ली है, ने सोमवार को अपने दो हमलावरों की तस्वीरें जारी कीं। दोनों महिलाएं हैं, जिनमें से एक की पहचान 24 वर्षीय आसिफा मेंगल के रूप में हुई है। इस घातक हमले में कम से कम 17 सुरक्षाकर्मियों सहित लगभग 50 लोग मारे गए हैं। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने रविवार को बताया कि जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने 40 घंटे तक चली लड़ाई में अब तक 140 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है। इस बीच, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि दो हमलों में महिला हमलावर शामिल थीं। बलूचिस्तान बलूचिस्तान (बीएलए) ने एक बयान में कहा कि मेंगल मोहम्मद इस्माइल की बेटी और बलूचिस्तान के नुश्की की निवासी थी। 2 अक्टूबर, 2002 को जन्मी मेंगल अपने 21वें जन्मदिन पर बीएलए की मजीद ब्रिगेड में शामिल

हुई। फिर उसने जनवरी 2024 में शफिदायीश (आत्मघाती हमलावर) बनने का फैसला किया और शनिवार को नुश्की स्थित आईएसआई मुख्यालय को उसी ने निशाना बनाया था। दूसरी महिला हमलावर का नाम अभी तक पता नहीं चला है: इस बीच, दूसरी महिला हमलावर का नाम अभी तक पता नहीं चला है। एक वीडियो ऑनलाइन सामने आया है जिसमें वह हमले को अंजाम देने से पहले अपने पुरुष बीएलए साथियों के साथ पाकिस्तानी सरकार का मजाक उड़ाती नजर आ रही है। "वे (पाकिस्तान सरकार) केवल हमारी पीड़ित माताओं और बहनों पर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हैंय वे हमसे सीधे मुकाबला नहीं कर सकते। यह उनकी क्षमता से परे है," वीडियो में उन्हें एक विशाल बंदूक पकड़े हुए मुस्कुराते हुए सुना जा सकता है। इस बीच, बलूचिस्तान बलूचिस्तान आर्मी अपने शहीरोफश (काला तूफान) नामक अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की है, जिसमें बलूचिस्तान भर में सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया है। दूसरी ओर, पाकिस्तानी सेना ने कहा कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों द्वारा किसी भी शहर या रणनीतिक प्रतिष्ठान पर कब्जा करने के प्रयासों को विफल कर दिया है। 40 घंटों में 145 आतंकवादी, 17 सुरक्षाकर्मी शहीदः बलूचिस्तान प्रांत के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने रविवार को बताया कि अशांत बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवाद विरोधी अभियानों में पिछले 40 घंटों में कम से कम 145 आतंकवादी और 17 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए हैं। क्वेटा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुगती ने बताया कि सभी 145 आतंकवादियों के शव अधिकारियों के कब्जे में हैं और उनकी पहचान की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि प्रांत में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों द्वारा शुरू किए गए युद्ध के बाद से दो दिनों से भी कम समय में मारे गए आतंकवादियों की यह सबसे बड़ी संख्या है।

डील नहीं हुई तो वॉर्निंग का सच पचा चल जाएगा, ट्रंप का खामेनेई को खुला चैलेंज

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान वाशिंगटन के साथ समझौता कर लेगा। यह बयान ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की उस चेतावनी के कुछ घंटों बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका द्वारा शुरू किया गया कोई भी संघर्ष क्षेत्रीय युद्ध में बदल जाएगा। ट्रंप ने आगे कहा कि अगर समझौता नहीं होता है, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि खामेनेई की चेतावनी सही थी या नहीं। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण सैन्य साजो–सामान तैनात किया है। फ्लोरिडा स्थित अपने मार–ए–लागो आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण सैन्य साजो–सामान

तैनात किया है, लेकिन दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच वह कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता देता है। ट्रंप ने कहा कि हमारे सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली जहाज वहां बहुत करीब तैनात हैं, और उम्मीद है कि कुछ दिनों में हम समझौता कर लेंगे। अगर समझौता नहीं हुआ, तो हमें पता चल जाएगा कि वह सही थे या नहीं। ईरान ने वाशिंगटन को सैन्य कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दीः गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की ये टिप्पणियां ईरान के सर्वोच्च नेता द्वारा एक्स पर कई पोस्टों में दिए गए कड़े बयानों के जवाब में आईं, जिनमें उन्होंने वाशिंगटन को सैन्य कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा था कि वाशिंगटन को यह समझना चाहिए कि कोई भी युद्ध सीमित नहीं रहेगा। खामेनेई की पोस्ट में लिखा था, अमेरिकियों को पता होना चाहिए कि अगर वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा। उन्होंने आगे कहा कि ईरान युद्धपोतों या विमानों से जुड़ी धमकियों से डरने वाला नहीं है। उनकी पोस्ट में यह भी लिखा था, अमेरिकी कभी–कभी युद्ध की बात करते हैं। कहते हैं कि हम युद्धपोतों और विमानों के साथ आएंगे – यह कोई नई बात नहीं है। ईरानी राष्ट्र ऐसी बातों से प्रभावित नहीं होता। उन्हें ऐसी बातों से ईरानी राष्ट्र को डराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

उच्च प्राथमिक विद्यालय तिलखावां में वार्षिकोत्सव एवं शिक्षक सम्मान समारोह के लिए आयोजित हुई बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। विकास क्षेत्र पयागपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय तिलखावां में वार्षिकोत्सव एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजन हेतु एक आवश्यक बैठक विद्यालय में सम्पन्न हुई। इस सम्बन्ध में मार्तण्ड त्रिपाठी प्रधानाध्यापक एवं श्रीनिवास शुक्ल प्रधानाध्यापक ने संयुक्त रूप से बताया कि विद्यालय में दिनांक 14 फरवरी 2026 दिन शनिवार को वार्षिकोत्सव एवं सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन होना है जिसमें मुख्य अतिथि समय प्रसाद मिश्र (प्रतिनिधि ब्लाक प्रमुख पयागपुर) एवं विशिष्ट अतिथि रमेश चन्द्र

त्रिपाठी एडवोकेट (संस्थापक श्रीराम जानकी ट्रस्ट रग्घू बाबा रनियापुर गोबरही) एवं संरक्षक श्रीमती डाली मिश्रा खण्ड शिक्षा अधिकारी पयागपुर होंगी। उक्त कार्यक्रम में विकास क्षेत्र पयागपुर एवं विशेश्वरगंज के समस्त सेवानिवृत्त शिक्षक, कार्यरत शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक आमंत्रित होंगे। बैठक में मार्तण्ड त्रिपाठी प्रधानाध्यापक, श्रीनिवास शुक्ल प्रधानाध्यापक, राजेश कुमार मिश्र, मीडिया प्रभारी, बाबू लाल शुक्ल दअध्यक्ष विद्यालय प्रबंध समिति, समर पाल सिंह सहायक अध्यापक, अनिल कुमार शर्मा सहायक अध्यापक, सतीश कुमार पांडेय सहायक अध्यापक, श्रवण कुमार सरोज सहायक अध्यापक दुर्गेश द्विवेदी अनुदेशक एवं बृजेश कुमार शुक्ल सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में मेधावियों का सम्मान, शिक्षा के प्रति बढ़ा उत्साह

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/सिसवा बाजार। एक्सीलेंस कोचिंग सेंटर के तत्वाधान में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भव्य पुरस्कार वितरण समारोह डीआईओएस सभागार में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को मेडल, प्रमाण पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों में शैक्षणिक जागरूकता के साथ–साथ प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करना रहा। समारोह के मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक प्रदीप शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धि पाण्डेय ने प्रतियोगिता के टॉप टेन छात्रों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र इमामुद्दीन को 1500 रुपये नगद, मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। द्वितीय स्थान पर रहे गणेश गुप्ता को 1000 रुपये नगद के साथ मेडल व प्रमाण पत्र दिए गए, जबकि तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रियांशु मिश्रा को इस्पाइरल कॉपी का बंडल, मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त नीतू मधेशिया, ज्योति, रंजना चौधरी, कुसुम वर्मा, आरती रावत सहित अन्य टॉप टेन छात्रों को भी मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक प्रदीप शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक प्रतियोगिताएं छात्रों के ज्ञानवर्धन के साथ–साथ उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण की भावना विकसित करती हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धि पाण्डेय ने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम करते हुए शिक्षा को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान दोनों अधिकारियों द्वारा बाल विवाह की रोकथाम को लेकर उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई गई तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया, जिससे सामाजिक विकास को नई दिशा मिल सके। कार्यक्रम का संचालन उमेश गुप्ता ने किया। संस्थान के निदेशक अभिषेक श्रीवास्तव ने अतिथियों का सम्मान करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एक्सीलेंस लाइब्रेरी के संचालक अविनाश श्रीवास्तव, चेतन शर्मा, शिक्षा सामर्थ्य के डायरेक्टर प्रियांशु मधेशिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 के अंतर्गत सीमावर्ती गांवों में लगेगा निःशुल्क चिकित्सा कैंप

सीमावर्ती 75 गांवों में लगेगा निशुल्क चिकित्सा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर जनपद मे नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में श्री गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा.06,के अंतर्गत 05 फरवरी 2026 से 07 फरवरी 2026 तक सीमावर्ती विकास खंड पचपेड़वा गैसड़ी तुलसीपुर शिवपुरा के 75 ग्रामो मे निशुल्क स्वास्थय शिविर एवं मेगा कैंप श्री देवीपाटन मंदिर तुलसीपुर मे दिनांक 08 फरवरी 2026 को आयोजित किया जा रहा है। स्वास्थय सेवा यात्रा नेशनल मेडिको ऑर्गनाइजेशन (NMO) की ओर से लगातार 06 वर्षो से किया जा रहा है। कैंप कि जानकारी राधेश्याम वर्मा, जिला अध्यक्ष छडद्द स्वास्थ्य यात्रा के जिला संयोजक रामकृपाल और एन एम ओ के जिला सचिव डॉक्टर विकल्प, विभाग प्रचार प्रमुख मनीष कुमार के द्वारा सयुंक्त रूप से जानकारी दी गयी। नेशनल मेडिको ऑर्गनाइजेशन (NMO) सेवा, समर्पण और मानव कल्याण को

समर्पित चिकित्सकों का एक राष्ट्रीय संगठन है, जो निरंतर देश के सीमावर्ती, दूरस्थ एवं पिछड़े क्षेत्रों में निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराता रहा है। आज हम आप सभी के माध्यम से भारत [illegible] सटे जिलों में आयोजित मेडिकल कैंप दृ फेस–6 की जानकारी साझा करने हेतु उपस्थित हैं। यह सेवा अभियान विशेष रूप से बलरामपुर ज़िले के नेपाल सीमा से सटे विकास खंडोंकृ शिवपुरा, तुलसीपुर, गैसड़ी एवं पचपेड़वा के ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किया जा रहा है। दिनांक 6 एवं 7 तारीख को प्रातः 9 बजे से अपराह्न 3 बजे तक संबंधित ग्रामीण क्षेत्रों में 68 निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे, जबकि दिनांक 8 तारीख को देवीपाटन मंदिर, प्रांगण में एक भव्य मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस सेवा अभियान का प्रमुख उद्देश्य हैकृ सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को सुलभ, निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना, महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों की स्वास्थ्य जाँच, परामर्श एवं आवश्यक उपचार सुनिश्चित करना, विभिन्न रोगों की समय पर पहचान, रोकथाम तथा स्वास्थ्य के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाना। फेस–6 के अंतर्गत विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा सामान्य चिकित्सा, महिला एवं बाल स्वास्थ्य सेवाएँ, नेत्र परीक्षण के साथ–साथ आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। छडद्द का दृढ़ विश्वास है कि स्वस्थ सीमावर्ती समाज ही सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र की आधारशिला होता है। इसी भावना के साथ यह सेवा अभियान पूर्ण निष्ठा, प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ संचालित किया जा रहा है। हम आप सभी मीडिया साथियों से विनम्र अनुरोध करते हैं कि इस मानवीय, सेवा–प्रधान एवं जनकल्याणकारी अभियान को जन–जन तक पहुँचाने में सहयोग करें, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद नागरिक इसका लाभ उठा सकें। पिछले वर्ष में विकासखंड पचपेड़वा, गैशनी, तुलसीपुर, शिवपुरा मे 68 कैंप मे 55821 मरीज देखा गया जिसमे 14 मेडिकल कॉलेज के 247 चिकित्सक शामिल रहे।

तीन दिवसीय परिषदीय शिक्षकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। जनपद के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत

शिक्षक–शिक्षिकाओं तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में कार्यरत वार्डेन को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पयागपुर में तीन दिवसीय सुरक्षा एवं संरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रभारी डायट प्राचार्य आशीष कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण में प्रशिक्षण प्रभारी रामपाल वर्मा , संदर्भदाता शिवकुमार व रजनीश कुमार पाण्डेय विनोद कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को सुरक्षा संरक्षा आधारित विषयो की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण प्रभारी रामपाल वर्मा ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सुरक्षा संरक्षा के विभिन्न आयाम जैसे स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से सम्बन्धित जानकारी सी एच सी पयागपुर से डॉक्टर अनुपम अनुपम शुक्ला ने यातायात सम्बन्धी एवं साइबर क्राइम जागरूकता से सम्बन्धित जानकारी यातायात विभाग के प्रभारी दिलीप शुक्ला ने महिला सुरक्षा एवं महिला अपराध से जुड़े प्रकरण से सम्बन्धित जानकारी बहराइच महिला थाना प्रभारी विनीता रावत जी ने, बाल अपराध निरोधक जिला समिति से अरुण कुमार ने बाल अपराध नियोजन से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की द्यप्रशिक्षण के अंतिम सत्र में डायट प्रवक्ता दशरथ यादव ,इश्तियाक अहमद एवं जिला वित्त एवं लेखाधिकारी महोदय बहराइच वीरेश वर्मा ने प्रतिभागी शिक्षकों का मार्गदर्शन प्रदान किया एवं प्रमाण पत्र वितरण के साथ प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक इकाई ने किया गया कंबल वितरित

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। कंबल वितरण किया गया। कंबल

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक इकाई तहसील पयागपुर के अध्यक्ष आनंद किशोर मिश्रा उर्फ गुड्डू मिश्रा के प्रयास से तहसील प्रशासन के सहयोग से जरूरतमंद किसानों को जिला अध्यक्ष प्रमोद तिवारी के द्वारा वितरण कार्यक्रम कैंप कार्यालय ग्राम सचौली तहसील पयागपुर जनपद बहराइच पर किया गया। कंबल वितरण कार्यक्रम में तहसील के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। कंबल पाकर ग़रीबों के चेहरे खिल गए।

आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनवाकर पाएं 5 लाख रुपये तक का मुत इलाज

दैनिक बुद्ध का सदेंश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) के तहत जिन पात्र परिवारों का अभी तक आयुष्मान गोल्डन कार्ड नहीं बन पाया है, उनके लिए कार्ड बनाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र परिवार को 5 लाख रुपये तक का मुत इलाज की सुविधा दी जाती है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने ग्रामीण क्षेत्र के सभी पात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वे समय रहते अपना आयुष्मान गोल्डन कार्ड जरूर बनवा लें। उन्होंने बताया कि इस कार्ड से गंभीर बीमारी की स्थिति में सरकारी एवं सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में बिना पैसा दिए इलाज कराया जा सकता है।गोल्डन कार्ड बनवाने के लिए ग्रामीण परिवार अपने गांव की आशा बहू, एएनएम, सीएचओ, पंचायत सहायक या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। कार्ड बनवाने की सुविधा पूरी तरह निःशुल्क है और इसमें ज्यादा समय भी नहीं लगता।सीएमओ ने कहा कि बीमारी के समय इलाज पर होने वाला खर्च गरीब परिवारों के लिए बड़ी परेशानी बन जाता है। आयुष्मान योजना का उद्देश्य यही है कि किसी भी गरीब परिवार को पैसों के अभाव में इलाज से वंचित न रहना पड़े।सीएमओ ने ग्रामीण जनता से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाकर अपने पूरे परिवार को 5 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा से सुरक्षित करें।

20 फरवरी को पेंशन अदालत का आयोजन'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।वरिष्ठ कोषाधिकारी इन्द्रभान सिंह ने अवगत कराया है कि आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल मीरजापुर की अध्यक्षता में 20.02.2026 को उनके कार्यालय सभागार में अपराह्न 02:00 बजे पेंशन अदालत का आयोजन किया गया है। विन्ध्याचल मण्डल के सेवानिवृत्त हुए पेंशनरों के पेंशन सम्बन्धी समस्याओं का निवारण इस अदालत में किया जाना है। उक्त अदालत में निम्न मामले सुने जायेगें– राजकीय कार्यालयों से सेवानिवृत्त कर्मियों के ऐसे मामले, जिनकी पेंशन/ग्रेच्युटी स्वी.त न हुयी हो, पेंशन के त्रुटिपूर्ण निर्धारण के विरूद्ध पेंशनर द्वारा दिये गये प्रत्यावेदन पर विचार, सेवानिवृत्त के उपरान्त यदि वेतन आदि का पुनरीक्षण किया गया है, तो तद्नुसार पेंशन पुनरीक्षण के मामले ऐसे प्रकरण जिनके निस्तारण में प्रशासनिक विभाग और पेंशन विभाग में मतभेद हो, तथा ऐसे प्रकरण जो न्यायालय में लम्बित हो परन्तु पेंशनर उसे अदालत से बाहर निस्तारित कराने के इच्छुक हो तथा ऐसे पेंशनरों के प्रकरण जो माननीय उच्च न्यायालय में लम्बित है, प्रकरण लम्बित रहने की स्थिति में उन पर विचार नही किया जा सकता, तथा पेंशनरों की अन्य शिकायतों के संबंध में। पेंशन अदालत में वाद दाखित करने हेतु आवेदन–पत्र का प्रारूप विन्ध्याचल मण्डल, के जिला कोषागारों में उपलब्ध है। उक्त आवेदन पत्र तीन प्रतियों में भरकर सम्बन्धित जनपद के मुख्य / वरिष्ठ कोषाधिकारियों के कार्यालय में –09.02.2026 के अपराह्न 03:00 बजे तक उपलब्ध करा दें। अपूर्ण आवेदन पत्रों एंव अन्तिम तिथि के पश्चात् आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

धूमधाम से मनाई गई संत शिरोमणि रविदास जयंती

दैनिक बुद्ध का सदेंश

गोन्डा। जनपद में संत रविदास जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई।लोगों ने संत शिरोमणि रविदास जयंती पर छावनी मोहल्ला गौतम बस्ती से शोभा यात्रा निकाली जिसका पूजन अर्चन कर यात्रा पूरे नगर भ्रमण कराया गया और जिसका जगह जगह समाज के अन्य लोगो ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।यात्रा का समापन अम्बेडकर चौराहे पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया तथा यात्रा में हजारों की संख्या में लोग भी सम्मिलित हुए।कार्यक्रम में कमेटी के सभी सदस्यों के साथ बजरंग दल जिला संयोजक आकाश सागर ने पूरे यात्रा में साथ साथ रहे और पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि रविदास जयंती पर यह शोभा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गाजे बाजे के साथ निकाली गई और इस यात्रा में सभी समाज के लोग सम्मिलित होते हैं और संत रविदास जी की पूजन आरती कर पुण्य के भागी बनते हैं।कमेटी में गरीबे गौतम,ठाकुर गौतम,राहुल गौतम,चिंटू गौतम,मोहित गौतम पिंटू गौतम,सनी गौतम,अर्जुन गौतम आदि के साथ साथ हजारों की संख्या में रैदास भक्त भी उपस्थित रहे।

AIMIM का सदस्यता अभियान में सैकड़ों की संख्या में सदस्यों किया ग्रहण

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। संत कबीर नगर जिले के

विकासखंड बेलहर कला अंतर्गत ग्राम पंचायत जंगल दशहर में ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) का सदस्यता अभियान तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में सोमवार को एक विशेष सदस्यता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण किया। एवं ब्लॉक एवं बूथों पर पदाधिकारी भी बनाए गए। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत प्रत्याशी अब्दुल्ला खान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के प्रदेश सचिव शमशाद आलम तथा सुनील कुमार यादव उपस्थित रहे। वहीं जिलाध्यक्ष इरशाद अहमद सहित AIMIM के कई वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिए। आयोजकों के अनुसार सदस्यता अभियान का उद्देश्य पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाना तथा अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ना है। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में खास उत्साह देखा जा रहा है। इस दौरान मेराज अहमद,मलिक रशीद, वलीउल्लाह, शाकिब अंसारी, रमेश चंद्र गौतम, शफीक अहमद, अब्दुल मन्नान,तालिम, एजाज अहमद, अख्तर रजा, मोहम्मद सुहेल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

शहीदों के नाम कवि सम्मेलन व मुशायरा कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सदेंश

बलरामपुर। बलरामपुर साहित्य महोत्सव समिति को एक शाम शहीदों के नाम कवि सम्मेलन व मुशायरा कार्यक्रम का आयोजन महारानी लाल कुंवारी महाविद्यालय में किया गया कार्यक्रम के आयोजन डॉ रहीमसिद्दीकी , गुलाब मिश्रा मुंतज़िर, अमन खान , आकाश तिवारी अंशुमान श्रीवास्तव सोनू मिश्रा ने किया।लखनऊ से मुख्य अतिथि के तौर पर रिज़वान बिल्डर उपस्थित रहेकार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राजेश्वर मिश्रा और पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि शबान अली ने द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया इसी क्रम में गोंडा से आए अवधी के सुपरस्टार अनमोल पांडे गोंडा रसोई के संस्थापक पीयूष पांडे जी क्रिएटर टाइगर शुक्ला जी अमन पाण्डेय जी राम त्रिपाठी जी आदि लोगों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया सरस्वती वंदना अंकिता उपाध्याय ने की और तारीफ़ बटोरी और शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित की कार्यक्रम की शुरुआत में देशभक्ति के गीत ने लोगों में जोश भर दिया मनोज कुमार सिंह जी नगर कोतवाल एवम् नीलोफर खान जी (टीम का)

की कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति और सहयोग रहा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अंतराष्ट्रीय शायर अज्म शाकिरी ने की और ये पंक्तियां ष्आखों में आशू भर आए पढ़ा जब हम वापस अपने घर आएष पढ़ीं जिससे सभागार झूम उठा । संचालन शाहबाज तालिब किया और पढ़ा इश्क अपनी जगह मगर तालिब अब हमें अपनी हद पर ध्यान देना है युवा शायर अभिश्रेष्ठ तिवारी ने पढ़ा कि रिश्ता है भाई भाई का तुमने तो हिसाब रक्खा है पाई पाई का ष कवि आदर्श ने कहा इधर हम दरिया किनारे चल रहे हैं उधर ट्रेन से एक लड़की कटी हैष गुलाब मिश्रा मुंतज़िर ने पढ़ाया जो आप हम पे जो अभी ध्यान नहीं देते हैं कल न कहिएगा कि सम्मान नहीं देते हैं मशहूर शायरा निकहत मुरादाबादी ने तुम्हारी यादों को किया आ, आज आ जाना अकमल बलरामपुरी ने कहा ष्बड़ा गुरूर है उसको पराए मर्दों पे अमीरजादी ये सस्ता नशा भी उतरेगा।ष शाश्वत सिंह सिंह दर्पण जी ने कहा कि उस लड़की ने ऐसे आशिक बदले है जैसे तितली कोई फूल बदलती है और फैज खलीलाबादी , इल्मा हाशमी,गुलेसबा फतेहपुरी ,अरविंद इनायत ,खुश्तर बलरामपुरी ,आयशा खुशनसीब आदि शायरों ने अपनी शानदार रचनाएं प्रस्तुत की युवा कवियत्री खुशबू तिवारी ने अपनी रचनाओ से श्रोताओं का विशेष ध्यान आकर्षित किया।कार्यक्रम के अंत में संयोजक गुलाब मिश्रा मुंतज़िर ने धन्यवाद ज्ञापित किया डॉ एहसान उतरौला,विनय मिश्रा अनन्य गौरव मिश्रा भुवन सिंह,अदनान फ़िरोज़ ,तुलसीपुर डॉ अफ़ान जे पी पांडेय का सम्मान समिति की ओर विशेष सम्मान किया गया।

कृषकों के बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा कवच है प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते है। उनके उत्थान, सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई योजनायें संचालित की है। सरकार प्राकृतिक संसाधनों–मृदा, जल एवं कृषि सम्बन्धी जैव विविधता के समुचित संरक्षण देश/प्रदेश की कृषि उत्पादन नीतियों के विनिर्माण एवं क्रियान्वयन तथा संसाधनों को अक्षुण्य बनाये रखते हुए उत्तरोत्तर वृद्धि परक उत्पादन के आयाम विकसित करने के लिए सतत् प्रयासरत है। प्रदेश सरकार कृषि विकास की दर को गति प्रदान करने के साथ–साथ फसलोत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि करने हेतु कई नीतियाँ/योजनाये संचालित की है, जिससे प्रदेश के किसानों की आर्थिक स्थिति को सुकृढ़ कर उनके जीवन स्तर को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से ऊपर उठाया जा सके। किसानों के हित में भारत सरकार ने प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना संचालित किया है, जिसके अंतर्गत किसानों को वार्षिक रु० 6,000/– प्राप्त होते है। इससे सरकार ने किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। उसी तरह केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना आरम्भ किया है। जिसके अंतर्गत किसानों को 60 वर्ष के उपरान्त रु० 3,000/– मासिक अर्थात 36 हजार रूपये सालाना पेंशन दी जाती है। केन्द्र सरकार की इस योजना को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश में लागू कर किसानों को लाभान्वित कर रहे हैं। किसानों को वृद्धावस्था में किसी के सामने रूपयों के लिए हाथ न फैलाना पड़े, वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रहे, उनका मान–सम्मान बना रहे, सरकार ने इस पर विशेष ध्यान दिया है।प्रदेश में प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना के तहत प्रदेश के सभी किसान लाभ ले सकते हैं। जिन किसानों की आयु 18 से 40 वर्ष तक है, वे किसान इस योजना के अंतर्गत पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के बाद किसान को प्रत्येक माह प्रीमियम जमा करना होता है।

18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले किसान को प्रतिमाह 55 रूपये एवं 40 वर्ष की आयु के किसान कोरू0 200/– महीना प्रीमियम जमा करना होता है। इस योजना के तहत 50 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान किसान द्वारा एवं 50 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता है। यदि प्रदेश का कोई किसान स्वैच्छिक रूप से प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना का लाभ लेना चाहता है और वह प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभार्थी है तो उसके रजिस्ट्रेशन के लिए किसी तरह के कागजी कार्यवाही की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि उसके सभी कागजात प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में संलग्न है। प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए किसान अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र पर जाकर पंजीकरण करवा सकते हैं।

प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना प्रदेश के लघु एवं सीमान्त कृषकों सहित सभी किसानों को सामाजिक सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने एवं वृद्धावस्था में उनकी आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वैच्छिक रूप से पुरुष व महिला दोनों के लिए 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर रू0 3000 प्रति माह दिये जाने की एक सुनिश्चित मासिक पेंशन योजना है। यह एक स्वैच्छिक एवं अंशदायी पेंशन योजना है।

प्रदेश में इस योजनान्तर्गत दिसम्बर, 2025 तक 2कृ52 लाख से अधिक किसान लाभार्थियों को कार्ड उपलब्ध कराया जा चुका है। प्रदेश सरकार अधिक से अधिक कृषकों को इस योजना से लाभान्वित करा कर उन्हें आर्थिक रूप आत्मनिर्भर बना रही है।

जनसुनवाई सम्भव दिवस में सुनी गयी जनसमस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उ०प्र० शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा

उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में 02 फरवरी सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का अयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें कमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 3, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 3, नगर पंचायत चोपन में 4. नगर पंचायत ओबर में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 1. नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 1, समस्त निकायों में कुल 22 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ–सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। उक्त अवसर पर सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

छात्रा तेजस्वी श्रीवास्तव ने पॉलीटेक्निक में मारी बाजी नाम किया रोशन

दैनिक बुद्ध का सदेंश

गोन्डा। जनपद की होनहार छात्रा ने नाम एक बार फिर से

माता पिता सहित शहर का मान ऊँचा हुआ है।मालवीय नगर निवासी होनहार छात्रा तेजस्वी श्रीवास्तव ने वर्ष 2025 में आयोजित पॉलीटेक्निक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) परीक्षा में उत.ष्ट प्रदर्शन कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जिले और नारी शक्ति का मान बढ़ाया है।तेजस्वी की इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। अपनी सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी ने इसका श्रेय अपने माता–पिता, शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर कठिन परिश्रम को दिया। उन्होंने कहा,"लगातार पढ़ाई, सही दिशा में मार्गदर्शन और आत्मविश्वास ही मेरी सफलता की असली कुंजी रहे हैं।"तेजस्वी के पिता उमेश कुमार श्रीवास्तव ने बेटी की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि तेजस्वी की मेहनत आज रंग लाई है और यह पूरे परिवार के लिए गर्व का विषय है। बेटी इस समय उत्तर प्रदेश के प्रतिष्ठित अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज गाजियाबाद से (इसीइ) से बिटेक की शिक्षा ग्रहण कर रही है।इस अवसर पर श्री चित्रगुप्त सभा के पदाधिकारियों ने तेजस्वी के आवास पर पहुँचकर उन्हें सम्मानित किया और शुभकामनाएँ दीं।सभा के अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने कहा,"जीवन में मेहनत, हिम्मत और लगन से बड़ी से बड़ी कल्पना को साकार किया जा सकता है। तेजस्वी आने वाली पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणास्रोत हैं।"फातिमा स्कूल के शिक्षक अश्विनी श्रीवास्तव ने भी तेजस्वी की प्रशंसा करते हुए कहा कि गोंडा जैसे छोटे शहर से निकलकर तेजस्वी ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास निरंतर हों, तो किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है।तेजस्वी की इस उपलब्धि से प्रेरित होकर क्षेत्र के अन्य छात्र–छात्राएँ भी अब अपनी पढ़ाई को लेकर अधिक गंभीर और लक्ष्य के प्रति सजग होते दिखाई दे रहे हैं।

श्रीश्याम मंदिर वार्षिक उत्सव को लेकर बैठक संपन्न,तीन दिवसीय श्रीश्याम मंदिर वार्षिकोत्स शुरू

दैनिक बुद्ध का सदेंश

गोन्डा। जनपद के ददुआ बाजार स्थित श्री श्याम मंदिर का वार्षिक उत्सव तीन दिवसीय कल 3 फरवरी से शुरू होगा। इस कार्यक्रम को लेकर रविवार को देर शाम श्री श्याम मंदिर में पदाधिकारियों की एक बैठक अध्यक्ष सुरेश भावसिंहका के नेतृत्व में की गई। जिसमें तीन दिवसीय कार्यक्रमों पर विचार रखा गया। बैठक में श्री श्याम मंदिर महिला मंडल की अध्यक्ष मीना अग्रवाल ने बताया कि 3 फरवरी को श्री राणीसती दादी जी के नाम की मेंहदी का कार्यक्रम सुबह 11बजे से सांयकाल 5 बजे तक होगा। जिसमें सभी महिला पुरूष भक्त दादी जी के नाम की मेंहदी अपने – अपने हाथों में लगाएंगी।कमेटी के सदस्य उत्कर्ष सिंघल और अरिहंत जैन

ने संयुक्त रूप से बताया कि 4 फरवरी को निशान शोभायात्रा निकाली जाएगी जो पहली यात्रा रानी बाजार स्थित श्री राम जानकी मारवाड़ी धर्मशाला से निकलकर अग्रसेन चौराहा होते हुए बड़गांव पुलिस चौकी पर पहुंचेगी और दूसरी यात्रा चौक बाजार के राधा.ष्ण मंदिर से निकलकर ,पीपल चौराहे होते हुए नगर में भ्रमण करते हुए पुलिस चौकी पर पहुंचकर होकर दोनों यात्राएं श्री श्याम मंदिर में पहुंचकर बाबा खाटू श्याम को निशान अर्पित करेंगे। ट्रस्ट के प्रबन्धक गोविंद जालूका ने बताया कि 4 फरवरी बुधवार को सांयकाल 5 बजे से बाहर के आए हुए भजन गायको द्वारा श्री श्याम भजनामृत वर्षा होगी। और 5 फरवरी गुरुवार को सांयकाल 4 बजे से देर रात्रि तक प्रभु की इच्छा तक होगी। गायकों में कोलकाता से भजन गायक निवेश शर्मा(गोलू) खलीलाबाद से सुप्रसिद्ध भजन गायक सरदार महेंद्र सिंह रोमी,इंदौर से सावन नागदा,जयपुर से आयुष सोमानी और गोंडा से भजन गायक पंकज निगम होंगे।मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष अनिल मित्तल ने बताया कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।बैठक में श्याम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश भावसिंहका, गोविंद जालूका,अरिहंत जैन, उत्कर्ष सिंघल, राजेश बंसल,विशाल बंसल, अनिल मित्तल,विमलेश सिंघल,अजय अग्रवाल, विजय काबरा,सुधीर तुलस्यान,शिखर अग्रवाल,देवेश जालान,पुनीत बंसल,पंकज मोदी,घनश्याम ताजपुरिया, आशीष भावसिंहका, विमलेश अग्रवाल,शलभ गर्ग,राम मनोहर अग्रवाल,संजय शर्मा,दौलत राम शर्मा श्री श्याम मंदिर महिला मंडल की अध्यक्ष मीना अग्रवाल,सरोज अग्रवाल,पूनम मित्तल,नीतू गर्ग, प्रीति अग्रवाल, प्रेमलता सिंघल,उमा ताजपुरिया, संतोष अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहीं।

टोल प्लाजा पर हुए विवाद में निष्पक्ष कार्यवाही, दो नामजद अभियुक्त गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र ।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में, अपर

पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार' एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा' के निकट पर्यवेक्षण में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा टोल प्लाजा पर हुए विवाद के सम्बन्ध में त्वरित, निष्पक्ष एवं विधिसम्मत कार्यवाही की गई है। 01.02.2026 को समय करीब 15.10 बजे वादी सपरिवार अपने वाहन संख्या न्च64 ।न्9142 (टोयोटा ग्लैंजा से रॉबर्ट्सगंज से चोपन की ओर जा रही थीं। थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत स्थित लोढ़ी टोल प्लाजा पर अगली गाड़ी का मैसेज प्राप्त न होने एवं टोल क्रॉस न हो पाने के कारण लेन संख्या–03 में कुछ वाहन खड़े हो गए, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। उक्त कारण से कुछ मिनटों की देरी होने पर वादी सपरिवार एवं टोल कर्मियों के मध्य कहासुनी हो गई, जो बाद में विवाद एवं मारपीट में परिवर्तित हो गई। दी गई तहरीर के आधार पर थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0–87/2026, धारा 191(2), 109(1), 115(2), 352, 351(3), 74 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजी.त किया गया तथा घटना से सम्बन्धित दोनों नामजद अभियुक्तों को गिरतार कर अग्रेत्तर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

खेलकूद प्रतियोगिता में ग्रामीण युवाओं ने रचा खेल इतिहास

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्तिनगर एनटीपीसी सिंगरौली के नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग द्वारा 30 जनवरी से 1 फरवरी तक स्थानीय जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हो गया।प्रतियोगिता के तीसरे एवं अंतिम दिन एनटीपीसी सिंगरौली क्षेत्र के आसपास के इलाकों से आए युवा खिलाड़ियों ने अत्यंत उत्साह एवं खेल भावना का परिचय देते हुए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर भाग लिया।इस तीन दिवसीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत क्रिकेट, कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, 100 मीटर एवं 200 मीटर (बालक एवं बालिका वर्ग), रिले रेस, रस्सा कस्सी, लॉन्ग जंप एवं हाई जंप सहित विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एनटीपीसी सिंगरौली के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग 1500 से अधिक युवा खिलाड़ियों ने जोश एवं उत्साह के साथ सहभागिता की। समापन दिवस पर द्वितीय दिवस में संपन्न सेमीफाइनल मुकाबलों में विजयी टीमों के मध्य फाइनल

मुकाबले आयोजित किए गए, जिनमें खिलाड़ियों ने उत.ष्ट प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। विभिन्न खेल स्पर्धाओं में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बाद वॉलीबॉल प्रतियोगिता में चंदुआर टीम ने विजेता तथा रानी बाड़ी टीम ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। क्रिकेट प्रतियोगिता में शक्तिनगर 11 टीम विजेता रही, जबकि 9 स्टार्स टीम उपविजेता रही। कबड्डी प्रतियोगिता में शक्तिनगर टीम ने प्रथम स्थान तथा कोहरौल टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। फुटबॉल प्रतियोगिता में 11 स्ट्राइकर्स (शक्तिनगर) टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि जयंत टीम उपविजेता रही। रस्साकस्सी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में शक्तिनगर के मगरमच्छ टीम विजेता तथा चिलकटांड बस्ती टीम उपविजेता रही, वहीं महिला वर्ग में बलिया नाला टीम ने विजेता एवं दियापहाड़ी टीम ने उपविजेता स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में एनटीपीसी सिंगरौली के परियोजना प्रमुख संदीप नायक, रश्मि रंजन मोहंती, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), सिद्धार्थ मण्डल, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), चिलकटांड ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान हीरालाल, नरेश कुमार, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), डॉ ओम प्रकाश, उप महाप्रबंधक (मा०सं० – राजभाषा) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

यूपी 64 की प्राइवेट गाड़ियों का टोल मुक्त हो– डॉक्टर धर्मवीर तिवारी

.महिला अधिवक्ता के साथ टोल कर्मियों द्वारा की गई मारपीट की घटना निंदनीय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। लोढ़ी टोल प्लाजा पर रविवार को जिस तरह से एक महिला अधिवक्ता व उनके साथ ओबरा जा रहे लोगों के साथ टोल कर्मियों द्वारा मारपीट की गयी वह बेहद शर्मनाक एवं निंदनीय है। यह कहना है बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष डा0 धर्मवीर तिवारी का। डॉक्टर तिवारी ने कहा कि जिस स्थान पर टोल प्लाजा स्थापित किया गया है वह पूरी तरह से गलत है। उन्होंने कहा कि चूंकि रावर्ट्सगंज सोनभद्र जनपद का मुख्यालय है जहाँ हर दिन सैकड़ों लोग अपने काम से कलेक्ट्रेट व विकास भवन के अलावा कचहरी तथा तहसील आते हैं, जिन्हे मुख्यालय पहुँचने के पहले टोल का किराया चुकाना पड़ता है। इतना ही नहीं जहाँ एक तरफ प्रशासन पर्यटन को बढ़ावा देने की बात करता है, वहीं स्थानीय लोगों को इको पॉइंट तक जाने के लिए भी सोचना पड़ता है, क्योंकि उन्हें पहले टोल चुकाना पड़ता है। डा0 तिवारी ने कहा कि चूंकि जिला आदिवासी बाहुल्य है, जहां लोगों के पास इतने पैसे नहीं होते कि वे टोल का किराया चुका सके। पूर्व जिलाध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि प्रशासन को चाहिए कि यूपी 64 नम्बर की सभी प्राईवेट गाड़ियों को टोल मुक्त करना चाहिए, ताकि रोजमर्रा के काम से मुख्यालय आने वाले सभी लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने रविवार की घटना को बेहद दुःखद एवं शर्मनाक बताते हुए कहा कि टोल प्लाजा पर तैनात ऐसे उपद्रवी कर्मचारियों को तत्काल हटाया जाय जो लोगों के साथ दुर्व्यवहार व मारपीट करते हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ पर कुछ अधिकारी शासन को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं जिनके मंसूबे को कभी पूरा नहीं होने दिया जायेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सोनभद्र की भौगोलिक व आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण न्च 64 की गाड़ियों को लोढ़ी टोल फ्री किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो इस विषय पर जिले के प्रभारी मंत्री से भी बात की जाएगी।

एक सप्ताह में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के निर्देश,खराब प्रगति पर कार्रवाई

.एनआरएलएम कार्यक्रमों की समीक्षा में सख्त रुख, लापरवाही पर अधिकारियों का वेतन बाधित

दैनिक बुद्ध का सदेंश

गोन्डा। जनपद की सीडीओ के अध्यक्षता में विकास भवन सभागार कक्ष में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में राशन कार्ड लाभार्थियों, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने,जीरो पॉवर्टी के चिन्हित परिवारों के एक सदस्य को समूहों से आच्छादित करने, स्वयं सहायता समूहों के गठन, समूह खातों के संचालन, समुदाय आधारित संगठनों की

प्रोफाइलिंग,ऑनलाइन ट्रांजेक्शन,लखपति दीदी कार्यक्रम,संकुल स्तरीय संघों की बैठक, आंतरिक ऑडिट, विद्युत सखी,बीसी सखी,आरएफ एवं सीआईएफ उपलब्ध कराने तथा कैश क्रेडिट लिंकेज सहित अन्य बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई।विकास खण्ड कटरा बाजार के सहायक विकास अधिकारी के बिना सूचना अनुपस्थित पाए जाने पर उनका वेतन बाधित किया गया। साथ ही खण्ड विकास अधिकारी कटरा बाजार के बैठक में अनुपस्थित रहने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उनसे स्पष्टीकरण तलब किया गया। राशन कार्ड लाभार्थियों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने में खराब प्रगति वाले विकास खण्ड कर्नलगंज, बभनजोत, रूपईडीह एवं कटरा बाजार के सहायक विकास अधिकारी (ग्राम्य विकास) तथा ब्लॉक मिशन प्रबंधक का वेतन/मानदेय अवरुद्ध किया गया।इसके अतिरिक्त विकास खण्ड पण्डरी .पाल एवं छपिया के खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में प्रतिभाग न करने पर एक–एक दिवस का वेतन अवरुद्ध किया गया।मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार शत–प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित की जाए तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।बैठक में उपायुक्त स्वतः रोजगार गोण्डा, परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण,खण्ड विकास अधिकारी नवाबगंज, जनपद के सहायक विकास अधिकारी (ग्राम्य विकास), जिला मिशन प्रबंधक एवं विभिन्न विकास खण्डों के ब्लॉक मिशन प्रबंधकों ने प्रतिभाग किया।

तीर्थराज प्रयाग माघ मेले में गुप्तकाशी सेवा शिविर में हुए विविध आयोजनः रवि प्रकाश चौबे

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट नाको सोनभद्र उत्तर प्रदेश

द्वारा प्र.ति संरक्षण पंचतत्व रक्षार्थ तिर्थराज प्रयाग मे माघ माह पर्यन्त गुप्तकाशी सेवा शिविर का विशाल आयोजन किया गया।जिसमे नवदिवसीय श्रीराम कथा 4 जनवरी से 12 जनवरी तक श्रीश रामानुज वैष्णव दास जी काशी के मुखारबिन्द से सम्पन्न हुई। 8 जनवरी से 13 जनवरी तक श्रीमद्भागवत कथा विनय मधुकर महाराज श्री अयोध्या जी के मुखारबिन्द से हुई। 14 जनवरी से 19 जनवरी तक कथावाचिका सुनिता पाण्डेय गुप्तकाशी के मुखारबिन्द से हुई। 19 जनवरी से 27 जनवरी तक श्रीमद् देवी भागवत महापुराण की कथा कथावाचक बाल व्यास श्रीमतेरामानुजाचार्य रामचंद्राचार्य जी महाराज बक्सर के मुखारबिन्द से हुई। 27 जनवरी से 29 जनवरी तक अमृताभिषेक श्री अयोध्या जी के मुखारबिन्द से सत्संग कथा हुई। 30 जनवरी से 1 फरवरी तक शिव महापुराण की कथा विश्व की द्वितीय किन्नर कथावाचक हेमलता सखी जी महामण्डलेश्वर सखी अखाड़ा वृंदावन के मुखारबिन्द से हुई। प्र.ति संरक्षण पंचतत्व रक्षार्थ विश्व कल्याण हेतु गुप्त नवरात्रि मे नवदिवसीय श्री शतचण्डी महायज्ञ 19 जनवरी से 27 जनवरी तक आचार्य स्वामी राजीव लोचनाचार्य जी महाराज व पांच विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा सम्पन्न हुई। 28 जनवरी को सैकडो पूज्य साधू संत महंत प्र.ति प्रेमियों के सानिध्य मे मेला क्षेत्र से होते लेटे हनुमान जी तक प्र.ति संरक्षण पंचतत्व रक्षार्थ जन जागरण संदेश यात्रा निकाली गयी।14 जनवरी को खाटू श्याम महोत्सव मनाया गया एवं मास पर्यन्त भोजन प्रसाद सत्संग व अथर्ववेद धूपन चिकित्सा के माध्यम से सेवा कार्य सम्पन्न हुआ। शिविर का आयोजन संस्थापक रवि प्रकाश चौबे ने एवं शिविर का संचालन वरिष्ठ समाज सेवी रमेश चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर सोनभद्र सहित अन्य जनपदों व राज्यों से आये लोगो ने सेवा शिविर का लाभ लिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक :- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बॉक्स ऑफिस पर 9वें दिन भी बॉर्डर 2 ने की जमकर कमाई, मर्दानी 3 ने भी वीकएंड का उठाया फायदा, दूसरे दिन कलेक्शन में किया इजाफा

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में चल रही हैं। इसमें मर्दानी 3, बॉर्डर 2 और मयसभा शामिल हैं। दूसरे दिन मर्दानी 3 को वीकएंड का फायदा मिला है। वहीं बॉर्डर 2 के कलेक्शन में भी इजाफा

हुआ है। सिनेमाघरों में पहले से चल रही बॉर्डर 2 ने शनिवार को नई रिलीज हुई फिल्म मर्दानी 3 से ज्यादा कलेक्शन किया है। आइए जानते हैं कि मर्दानी 3, बॉर्डर 2 और मसयभा ने कितना कलेक्शन किया है।

सनी देओल की अगुआई वाली फिल्म बॉर्डर 2 को वीकएंड का फायदा मिला है। नौवें दिन इसने 17.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। पहले दिन इस फिल्म ने 30 करोड़ रुपये और चौथे दिन सबसे ज्यादा 59 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म ने अब तक 252.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। मर्दानी 3 की रिलीज से इस फिल्म पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ा है।

30 जनवरी को सिनेमाघरों में रानी मुखर्जी की अदाकारी वाली फिल्म मर्दानी 3 ने दस्तक दी। पहले दिन फिल्म का कलेक्शन 4 करोड़ रुपये रहा। दूसरे दिन फिल्म को वीकएंड का फायदा मिला और इसने 6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म का टोटल कलेक्शन 10 करोड़ रुपये हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का बजट 60 करोड़ रुपये है। बजट के हिसाब से फिल्म का कलेक्शन औसत है।

30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म मयसभा–द हॉल ऑफ इल्यूजन की कमाई में इजाफा हुआ है। पहले दिन फिल्म ने 12 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे दिन इसने 22 लाख रुपये का कलेक्शन किया है।

ये दिल आशिकाना सिनेमाघरों में फिर देगी दस्तक, ट्रेलर के साथ रिलीज तारीख जारी

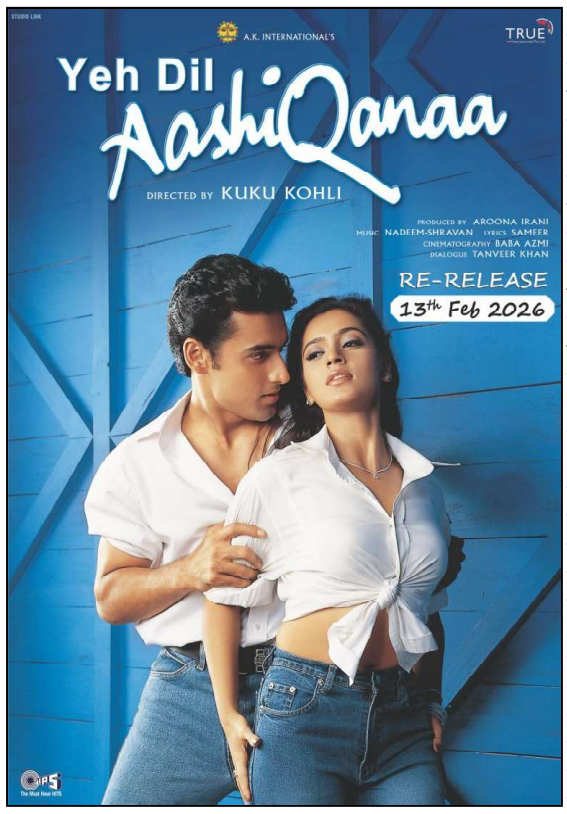

वैलेंटाइन डे के मौके पर नई रिलीज फिल्मों के बीच 24 साल पहले आई रोमांटिक–एक्शन थ्रिलर फिल्म श्ये दिल आशिकानाच्य भी फिरसे रिलीज होने को तैयार है। साल 2002 में रिलीज हुई श्ये दिल आशिकानाच्य 13 फरवरी को री–रिलीज हो रही है। मेकर्स ने इसकी घोषणा की है और साथ ही री–रिलीज का ट्रेलर भी जारी कर दिया है।

ट्रू एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड श्ये दिल आशिकानाच्य को 13 फरवरी को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज करेगी। इस मौके पर फिल्म के निर्देशक कुकू कोहली ने कहा कि श्ये दिल आशिकानाच्य बड़े पर्दे के लिए ही बनी थी। इसका भव्य स्वरूप, संगीत, भावनाएं, सब कुछ सामूहिक रूप से सिनेमाघर में अनुभव करने के लिए ही बनाया गया था। मुझे सचमुच खुशी है कि नई पीढ़ी को इस फिल्म को उसी तरह देखने का मौका मिलेगा, जैसे 2002 में दर्शकों को मिला था। आज रोमांटिक फिल्मों के बहुत सारे दर्शक हैं और यह फिल्म युवा दर्शकों को पसंद आएगी।

करण नाथ और जिविधा शर्मा स्टारर इस फिल्म की कहानी करण और पूजा के इर्द–गिर्द घूमती है। जब पूजा का विमान आतंकवादियों द्वारा अगवा कर लिया जाता है और करण को एक बड़ा झटका लगता है। करण अपनी जान जोखिम में डालकर पूजा को बचाता है, लेकिन उसे पता चलता है कि पूजा का भाई भी उन्हीं आतंकवादियों में से एक है। यह फिल्म 18 जनवरी 2002 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। नदीम–श्रवण के संगीत से सजी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

कुकू कोहली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में करण नाथ और जिविधा शर्मा के अलावा आदित्य पंचोली, अरुणा ईरानी, जॉनी लीवर और रजत बेदी भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। अब देखना ये है कि 24 साल बाद री–रिलीज होने पर यह फिल्म क्या कमाल दिखा पाती है। क्योंकि 13 फरवरी को शाहिद कपूर की श्ओ रोमियोच्य भी सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है।

बॉर्डर–2 2026 में रोल मिलने पर खुशी से रो पड़ी थी मेधा राणा, बताया कैसा रहा शूटिंग का अनुभव

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर–2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन

फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है। बॉर्डर–2 जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर छाबड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा। अब काम करने के बाद खुद पर धीरे–धीरे यकीन कर पा रही हूं। फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं। बॉर्डर–2 में बॉर्डर से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं। फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर मेधा ने कहा, उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और शूटिंग के समय काफी कुछ सीखने को मिला। सेट पर पहला दिन काफी नर्वसनेस के साथ बीता था, लेकिन वरुण ने काफी मदद की।

अजय देवगन और राजकुमार गुप्ता धमाकेदार वापसी के लिए तैयार, रेड 3 में दोगुना होगा रोमांच

अजय देवगन और निर्देशक राजकुमार गुप्ता फिर एक साथ पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म रेड 3 बॉक्स ऑफिस पर अपना कब्जा जमाने आ रही है। दोनों ने मिलकर इसे ब्लॉकबस्टर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें एक्शन, थ्रिल और सस्पेंस का जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा। तीसरी किस्त से जुड़ी कुछ ऐसी रोचक जानकारियां सामने आई हैं, जिन्हें सुन प्रशंसक खुशी से झूम उठेंगे। आइए पूरी खबर जान लें।

रिपोर्ट के मुताबिक, अजय और निर्देशक राजकुमार गुप्ता अपनी हिट फ्रेंचाइजी रेड की तीसरी कड़ी के लिए एक साथ आ रहे हैं। रेड के सीक्वल रेड 2 के बाद अब रेड 3 की तैयारी चल रही है और इसकी शूटिंग 2026 के अंत तक शुरू की जा सकती है। रेड 3 की कहानी का दायरा और भावनाएं पिछली दोनों फिल्मों से बड़ी और गहरी होंगी। फिल्म में दोगुना रोमांच और जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा।

रेड 3 पिछली 2 फिल्मों से बड़ी और ज्यादा रोमांचक होगी। कहानी और एक्शन पहले से ज्यादा खतरनाक और दिलचस्प होंगे। टीम गुपचुप तरीके से पिछले कुछ महीनों में स्क्रिप्ट पर काम कर रही थी, जो कि अब तैयार हो गई है। इस फिल्म में अजय का किरदार पहले जैसी किसी भी चुनौती से अलग मुश्किल हालातों का सामना करेगा। कुल मिलाकर इस बार कहानी, एक्शन और रोमांच सब कुछ पहली 2 फिल्मों से कहीं ज्यादा होगा।

रेड 3 की शूटिंग 2026 के मध्य में शुरू होगी, जब अजय अपने दूसरे काम निपटा लेंगे। राजकुमार गुप्ता स्क्रिप्ट को और सुधार रहे हैं ताकि फिल्म बिल्कुल असल लगे। अजय एक बार फिर एक तेज–तर्रार इनकम टैक्स ऑफिसर बनकर दर्शकों को अपना दीवाना बनाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस दमदार भूमिका के साथ न्याय करने के लिए कमर कस ली है। उन्हें उम्मीद है कि रेड 3 भी दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरेगी।

अजय देवगन, वाणी कपूर और रितेश देशमुख जैसे सितारों से सजी फिल्म रेड 2 को काफी पसंद किया गया था। उनकी यह फिल्म इस साल 1 मई को दर्शकों के बीच आई थी। निर्देशन के लिए राजकुमार की भी खूब तारीफ हुई थी। 50 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म रेड 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 173. 05 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। सिनेमाघरों के बाद ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

अजय फिल्म दे दे प्यार दे 2 को लेकर चर्चा में हैं, उनकी इस फिल्म को दर्शकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली, वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी ये ठीक–ठाक कमाई कर रही है। इससे पहले अजय अपनी हिट फिल्म सन ऑफ सरदार का सीक्वल सन ऑफ सरदार 2 लेकर आए थे, जो पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई थी। अजय के पास धमाल 4, रेंजर, गोलमाल 5 और दृश्यम 3 जैसी फिल्में भी हैं।

दांतों के लिए साइलेंट किलर है सडन, जानें कब बढ़ सकती है दांतों से जुड़ी समस्याएं

दांतों में दर्द की परेशानी या सूजन की समस्या पर सभी ध्यान देते हैं, लेकिन सडन दांतों के लिए साइलेंट किलर की तरह काम करती है। बाहर से चमकदार दिखने वाले दांतों के अंदर कब धीरे–धीरे छेद बन जाता है, ये पता ही नहीं चलता और जब चलता है, तब तक सडन दांतों को घेर चुकी होती है। दांतों में सडन की समस्या से असहनीय दर्द होता है और ये धीरे–धीरे सारे दांतों को संक्रमित कर देती हैय ऐसे में दांतों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। दांतों में सडन की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से होती है और इसके लक्षण भी नजर नहीं आते हैं। दर्द के बाद पता चलता है कि दांतों में सडन हो चुकी है। दांतों में सडन के बहुत सारे कारण हो सकते हैं, जैसे ज्यादा मीठा खाना, सही तरीके से ब्रश और कुल्ला न करना, मुंह में लार में कमी होना, कैल्शियम और विटामिन डी की कमी, साथ ही रात में बिना ब्रश किए सो जाना। ये सभी कारण दांतों में सडन पैदा करने के लिए काफी हैं।

आयुर्वेद में दांतों की सडन से बचने के लिए और मसूड़ों की मजबूती के लिए कई घरेलू उपाय बताए गए हैं, जिन्हें घर बैठे आराम से कर सकते हैं। पहला है लौंग के तेल का इस्तेमाल। लौंग का तेल दांतों के दर्द और बैक्टीरिया को कम करने का काम करता है, जिससे सडन की प्रक्रिया कम हो जाती है। इसके लिए रात के समय लौंग के तेल को कुछ समय के लिए दांतों पर लगाकर छोड़ दें और पानी से साफ कर लें।

दूसरा है नीम से दातुन या कुल्ला। नीम प्राकृतिक एंटी बैक्टीरियल है, जो दांतों से बैक्टीरियल संक्रमण को कम करने में मदद करता है। वहीं नीम की दातुन भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। तीसरा है नारियल तेल से ऑयल पुलिंग। ऑयल पुलिंग दांतों के कोनो–कोनों में जाकर गंदगी को साफ करने का काम करती है और दांतों पर लगे पीलेपन को साफ करती है। इसके लिए तेल को मुंह के अंदर 5 मिनट के लिए घुमाएं और फिर कुल्ला कर लें।

चौथा है नमक और सरसों के तेल का मिश्रण। नमक और सरसों के तेल का मिश्रण दांतों के दर्द में राहत देता है और दांतों में पनप रहे बैक्टीरिया का भी नाश करता है। हफ्ते में तीन बार इस मिश्रण को लगाने से दांतों से पीलापन भी कम हो जाता है। इन नुस्खों के अलावा, आहार में बदलाव भी जरूरी हैं।

आहार में कैल्शियम और विटामिन डी शामिल करें। कैल्शियम और विटामिन डी दोनों मिलकर दातों को मजबूती देते हैं और मसूड़ों से खून आने की समस्या भी कम होती है। इसके साथ ही दांतों के लिए विटामिन सी भी जरूरी हैय इसके लिए दिन में एक समय किसी खट्टे फल का सेवन जरूर करें। यह भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।